दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 171
कोटद्वार बुधवार
18 अक्टूबर 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी के साथ येलो अलर्ट जारी

देहरादून ,(एजेंसी)। उत्तराखंड में मानसून के जाने के बाद अब मौसम ने करवट बदली है। प्रदेश में गुलाबी ठंड ने अपनी दस्तक दे दी है। लेकिन मौसम विभाग ने पहले ही 16 अक्टूबर से एक बार फिर प्रदेश में बारिश और बर्फबारी के साथ ही तेज़ आंधी तूफान का अलर्ट जारी किया है।

सोमवार को प्रदेश में आंधी तूफान बारिश और बर्फबारी भी हुई। वहीं मंगलवार को भी मौसम विभाग ने एक बार फिर बारिश-बर्फबारी होने के साथ ही कई जिलों में भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के 3500 मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने के आसार जताए हैं। इसके अलावा अन्य सभी जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि बुधवार से अगले कुछ दिन राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से पर्वतीय समेत मैदानी इलाकों में 17 अक्तूबर को बिजली चमकने और हवा चलने के साथ बर्फबारी व बारिश होने की संभावना जताई गई है, जबकि 18 से 20 तक प्रदेश भर का मौसम शुष्क रहने के आसार हैं।

बिना गुनाह के 16 साल तक काटी जेल, बाहर आया तो डिप्टी शेरिफ की कार्रवाई में मारा गया

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। अमेरिका के जॉर्जिया में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने 16 साल तक बिना गुनाह किए जेल में बंद रहा और सजा काटी। लेकिन बाहर निकला तो उसके बाद डिप्टी शेरिफ की कार्रवाई में मारा गया। मामले की जांच कर रहे 'जॉर्जिया जांच ब्यूरो' (जीबीआई) ने मृतक की पहचान 53 वर्षीय लियोनार्ड एलन क्योर के रूप की है, जो हाल में जेल से बाहर आया था।क्योर की मौत की पुष्टि फ्लोरिडा के 'इनोसेंस प्रोजेक्ट' (निदीष परियोजना) के कार्यकारी निदेशक सेठ मिलर ने की। मिलर ने दोषमुक्ति मामले में क्योर का प्रतिनिधित्व किया था। मिलर ने कहा कि क्योर की मौत के समाचार से उन्हें बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि कैसा महसूस होगा, जब आपको पता चले कि आपके बेटे को निदोष होने के बावजूद आजीवन कारावास की सजा दी गई है, बाद में उसे जब दोषमुक्त करार दिया जाए तो आपको बताया जाए कि जेल से रिहाई के बाद गोली मारे जाने से उसकी मौत हो गई।'

दुबई में सीएम धामी ने किये 5450 करोड़ के इनवेस्टमेंट एमओयू साइन

पर्यटन, शिक्षा, इन्फ्रा, रियल एस्टेट से जुड़े समूहों के साथ निवेश करार

जयन्त प्रतिनिधि

देहरादून : उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 हेतु दुबई में आयोजित रोड शो में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विभिन्न उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में दुबई में अभी तक विभिन्न उद्योग समूहों के साथ 5450 करोड़ रूपये के इनवेस्टमेंट एमओयू साइन किए जा चुके हैं। जबकि कई अन्य उद्योग समूहों के साथ बैठक जारी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी उद्योग घरानों को आगामी 8 एवं 9 दिसम्बर माह में देहरादून में आयोजित होने वाले समिट हेतु निमंत्रण भी दिया।

मंगलवार को उत्तराखण्ड सरकार एवं विभिन्न उद्योग समूहों के साथ इनवेस्टमेंट एमओयू साइन किए गए। जिनमें पर्यटन, शिक्षा, इन्फ्रा, रियल एस्टेट से जुड़े उद्योग समूहों के साथ 5450 करोड़ के निवेश पर करार किया गया। दुबई में अब तक सर बायेटेक एवं हयात इंडिया के साथ 2 हजार करोड़, कार्मिला न्यूट्रीशन टेक्नोलॉजी ग्रुप के साथ फार्मा प्रोडक्शन हेतु 950 करोड़, जीटीसी ग्रुप के साथ 800 करोड़, फ्लो कॉग्लोमिरेट समूह के साथ रियल एस्टेट, इन्फ्रा एवं पर्यटन के क्षेत्र में निवेश हेतु 500 करोड़ का एमओयू, एक्सले ग्रुप के साथ मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर हेतु 700 करोड़, शरफ लॉजिस्टिक के साथ 500 करोड के इन्वेस्टमेंट एमओयू साइन किए जा चुके हैं। प्रदेश सरकार की ओर से सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय ने एमओयू साइन किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच द्विपक्षीय संबंध पहले से और अधिक मजबूत हुए हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात में काफी संख्या में प्रवासी भारतीय कार्यरत है। उत्तराखण्ड भी अपने शहरों का सुनियोजित विकास एवं नये शहरों की स्थापना करने हेतु आपके साथ सहयोग करने का इच्छुक है, जिससे इस क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सके। उत्तराखण्ड सरकार निवेशकों को राज्य में सभी प्राथमिक आवश्यक सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य, प्रगतिशील औद्योगिक प्रोत्साहन नीतियों के कारण भारत में अपनी एक पृथक पहचान बनाने में सफल हुआ है। राज्य में औद्योगिक विद्युत दरें भारत के अन्य राज्यों की तुलना में कम है, राज्य में औद्योगिक सदभाव एवं उत्कृष्ट कानून व्यवस्था इसे और विशेष बनाते हैं। हमारा प्रदेश, हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण वरदान स्वरूप विविध कृषि जलवायु से समृद्ध क्षेत्र हैं, और ऑर्गेनिक कृषि के लिए अनुकूल है। वर्तमान में उत्तराखंड में दो मेगा फूड पार्क एवं चार फूड क्लस्टर बनाएं गए हैं, जो अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर उत्तराखंड के अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव शैलेश बगौली, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा समेत डेलिगेशन के अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

ईज आफ डूईंग बिजनेस की दिशा में सरकार प्रयत्नशील

देहरादून : उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को निवेश के लिये एक सर्वाधिक उपयुक्त डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार सक्रियता के साथ प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तराखण्ड राज्य अपनी असीम संभावनाओं के साथ आपके मध्य उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि ईज आफ डूईंग बिजनेस की दिशा में राज्य सरकार सतत प्रयत्नशील है। उत्तराखण्ड अचीवर्स श्रेणी में है। श्रम कानूनों में सुधार की दिशा में राज्य ने विशिष्ट पहल की है। इसी प्रकार निवेशकों को भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में भी लगातार सुधार एवं सरलीकरण किया गया है। राज्य सरकार इस बात के प्रति विशेष रूप से सजग है कि हम उन विशिष्ट क्षेत्रों, जो राज्य में उपलब्ध संसाधनों पर आधारित हैं, में निवेश को विशेष रूप से प्रोत्साहित करें।

दुबई में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इनवेस्टमेंट एमओयू साइन करते हुए।

ट्रैपिंग कैमरे में कैद हुआ बाघ, ग्रामीणों में दहशत

जयन्त प्रतिनिधि

पौड़ी : नैनीडांडा के बैडहाट मोछण में वन विभाग के ट्रैपिंग कैमरे में बाघ कैद हो गया। साथ ही विभागीय जांच में ये भी पता चला है कि नैनीडांडा भैड़गांव में जिस बाघ ने 15 अप्रैल 2023 को हमला कर एक व्यक्ति को मार दिया था यह वहीं बाघ है। इससे विभाग की मुश्किलें और बढ़ गई है।

बाघ ने विगत 3 अक्तूबर को बैडहाट मोछण में जंगल में घास लेनी गई महिला को भी मार दिया था। तब से नैनीडांडा के मोछण में विभागीय टीम सहित ट्रैक्यूलाइज टीम ने भी डेरा डाला हुआ है। लेकिन अभी तक टीम बाघ को पकड़ नहीं पाई है, जिस कारण ग्रामीण दहशत में है।

गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वनिल अनिरुद्ध ने बताया कि बाघ के यहां फूट प्रिंट मिले हैं। अब ट्रैपिंग कैमरे में कैद हुआ बाघ वही जिसने 15 अप्रैल को भैडगांव में भी हमला किया था। विभाग ने बाघ की दोनों फोटो को मिलान किया है। इसके बाद इस नतीजे पर पहुंचा गया है। डीएफओ ने बताया कि यहां सक्रिय बाघ आसान शिकार कर रहा है और उसकी उम्र भी करीब 12 साल के आसपास है। ट्रेंक्यूलाइज टीम क्षेत्र में नजर बनाए हुई है। बाघ की दहशत के कारण जहां इस क्षेत्र के आस-पास के स्कूल बीती 4 अक्तूबर से बंद चल रहे है वहीं स्थानीय ग्रामीणों की दिनचर्या भी पटरी से उतरी हुई है।

ग्रामीण अपने रोजमर्रा के कामों को दहशत के कारण नहीं कर पा रहे है। नैनीडांडा-हल्दूखाल मोटर मार्ग पर छः बजे बाद दोपहिया वाहनों की आवाजाही को बंद किया हुआ है।

आज बंद होगें रुद्रनाथ के कपाट

चमोली : लगभग 11 हजार फिट की ऊंचाई पर स्थित भगवान रुद्रनाथ के कपाट बुधवार को विधि विधान और मंत्रोच्चार के साथ शीतकाल के लिए प्रातः बंद किये जायेंगे । इसके बाद भगवान रुद्रनाथ का उत्सव विग्रह डोली के साथ अपने गद्दी स्थल गोपेश्वर गोपीनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेगा। रुद्रनाथ के पुजारी पंडित जनार्दन प्रसाद तिवारी ने बताया भगवान रुद्रनाथ जहां भगवान भोलेनाथ के मुखारविंद (मुखमंडल) के दर्शन होते हैं। ऐसे पवित्र शिव तप स्थली रुद्रनाथ गुफा मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए विधि विधान के साथ मंत्रोच्चार के साथ बंद किये जायेंगे। उल्लेखनीय है कि इस समय रुद्रनाथ में चारों ओर बर्फ पड़ी हुई है। इसके बाबजूद भी भगवान के कपाट बंद होने की प्रक्रिया देखने और भगवान के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रुद्रनाथ पहुंच गये हैं। भगवान के उत्सव विग्रह की डोली लाने लिए हक हकूक धारी भी रुद्रनाथ पहुंच गए हैं। (एजेंसी)

'मणिपुर में शांति लाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताएं' : एनएचआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर में हिंसा और वहां शांति स्थापित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी मांगी है। इस बाबत आयोग ने केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। आयोग ने नोटिस में सभी पक्षों से अशांत राज्य में शांति लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में स्पष्ट रूप से बताने के लिए कहा गया है। आयोग ने ये नोटिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव, मुख्य सचिव और मणिपुर सरकार के पुलिस महानिदेशक को जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा की घटनाओं से संबंधित विभिन्न मामलों में एनएचआरसी को अपने पिछले नोटिस के जवाब में मणिपुर सरकार से कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) प्राप्त हुई है। नोटिस के जवाब में मणिपुर सरकार ने बताया है कि राज्य में हिंसा की घटनाओं के संबंध में कई कदम उठाए गए हैं, जिनमें कानून और व्यवस्था मशीनरी और सुरक्षा को मजबूत करना, राहत शिविरों और शांति समिति की स्थापना, कर्फ्यू में ढील, इंटरनेट और बैंकिंग सेवाओं की बहाली, मृतकों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि, घायलों के लिए मुआवजा पैकेज और क्षतिग्रस्त घरों का पुनर्निर्माण शामिल है।

दिल्ली शराब घोटाला : सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया।जस्टिस संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने सिसोदिया की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू की दलीलें सुनी।

समलैंगिक विवाह को सुप्रीम कोर्ट का मान्यता देने से इन्कार

कहा, कानून में बदलाव संसद का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की गुहार मंगलवार को ठुकरा दी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग तीन-दो के बहुत से खारिज कर दी जबकि हिंसा, जबरदस्ती या हस्तक्षेप के किसी भी खतरे के बिना सहवास के उनके अधिकार को बरकरार रखा। संविधान पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि कानून समान लिंग वाले जोड़ों के विवाह के अधिकार को मान्यता नहीं देता है।

इस पर कानून बनाना संसद पर निर्भर है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति कौल ने विवाह के अधिकार को पढ़ा और ऐसे समान लिंग वाले जोड़ों को परिणामी लाभ देने के अपने अधिकार को बरकरार रखा। दूसरी ओर न्यायमूर्ति भट, न्यायमूर्ति कोहली और न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने समान लिंग वाले जोड़ों की शादी को मान्यता देने से इनकार कर दिया। संविधान पीठ के सदस्यों ने हालांकि एकमत से केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड में लिया कि वह समलैंगिक जोड़ों को दिए जाने वाले अधिकारों और लाभों को सुव्यवस्थित करने के लिए एक समिति का गठन करेगी। बच्चा गोद लेने के मामले में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति कौल ने समलैंगिक जोड़ों को अधिकार दिया, लेकिन अन्य तीन न्यायाधीशों इस दृष्टिकोण से असहमति जताई और समलैंगिक तथा अविवाहित जोड़ों को गोद लेने से बाहर रखने वाले सीएआरए नियमों की वैधता को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट, न्यायमूर्ति हेमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 11 मई 2023 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि समलैंगिक विवाह को मान्यता न देना समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में यह भी कहा गया कि शीर्ष अदालत को इस समुदाय की सामाजिक सुरक्षा और अन्य कल्याणकारी लाभों तक पहुंच के लिए उचित निर्देश भी पारित करने चाहिए।

केंद्र सरकार ने याचिकाकर्ताओं का पुरजोर विरोध किया था। सरकार ने दलील देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ताओं की मांग को अनुमति देने से व्यक्तिगत कानूनों के मामले में बेहद खराब स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। शीर्ष अदालत में सरकार ने यह भी कहा था कि इस विषय को विधायिका द्वारा (केवल इसके व्यापक परिणामों के कारण) ही संभाला जा सकता है। केंद्र सरकार ने यह भी दावा किया था सिर्फ सात राज्यों ने समलैंगिक विवाह के मसले पर उसके सवाल का जवाब दिया है। इनमें राजस्थान, आंध्र प्रदेश और असम ने ऐसे विवाहों के लिए कानूनी मंजूरी की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं के तर्क का विरोध किया है। संविधान पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील, एएम सिंघवी, राजू रामचंद्रन, केवी विश्वनाथन (अब उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत), आनंद ग्रोवर और सौरभ किरपाल ने 21 याचिकाकर्ताओं का पक्ष रखा।

प्रतिबंधित प्लास्टिक थैलियों पर पूरी तरह रोक लगाए सरकार

उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने प्रदेश में प्रतिबंध के बावजूद प्रयोग लाई जा रही प्लास्टिक की थैलियों के मामले में सख्त रुख अख्तियार करते हुए प्रदेश सरकार को निर्देश दिये कि इस पर पूर्ण रोक लगाएं। अदालत ने कहा कि राज्य की सीमा पर सघन जांच अभियान चलाएं। इसकी जिम्मेदारी वाणिज्य कर विभाग को सौंपी गयी है। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की युगलपीठ ने अल्मोड़ा निवासी जितेन्द्र यादव की ओर से दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में प्लास्टिक की थैलियों पर पूर्णतः प्रतिबंध है लेकिन इसके बावजूद धड़ल्ले से प्लास्टिक की थैलियां प्रचलन में हैं। दूसरे राज्यों से पालीथीन की थैलियों की आपूर्ति की जा रही है। सरकार इस पर रोक लगाने में नाकाम साबित हुई है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि कूड़ा वाहनों में अदालत के आदेश के बावजूद आज तक जीपीएस सिस्टम नहीं लगाये गये हैं। न ही वन पंचायतों के नक्शे वेबसाइट पर अपलोड किये गये हैं। जो भी नक्शे अपलोड किए गए हैं, वह बेहद धुंधले हैं। यह भी कहा गया कि सरकार की ओर से प्लास्टिक कूड़ा उत्तराखंड प्लास्टिक वेस्ट एंड अदर नॉन बायो डिग्रेडेबल गारबेज एक्ट, 2013 के अनुपालन के लिए अभी तक नियमावली नहीं बनाई गई है। साथ ही प्लास्टिक उत्पादों क्यूआर कोड लागू नहीं किया गया है।

मामले को सुनने के बाद अदालत ने सरकार को निर्देश दिए कि दूसरे राज्यों से आ रही पालीथीन की थैलियों पर पूर्ण रोक लगाएं। इसके लिए राज्य की सीमाओं पर सघन जांच अभियान चलाएं।

वाणिज्य कर विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। यह भी कहा गया कि पुलिस और अन्य महकमों की मदद से इस पर रोक लगाई जाए। अदालत ने कूड़ा वाहनों पर जीपीएस सिस्टम लगाने और सभी वन पंचायतों के नक्शे चार सप्ताह में वेबसाइट पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि इसमें असफल रहने पर सचिव वन और राजस्व अगली तिथि पर अदालत में पेश होंगे।

यही नहीं अदालत ने उत्तराखंड प्लास्टिक वेस्ट एंड अदर नॉन बायो डिग्रेडेबल गारबेज एक्ट, 2013 का सही अनुपालन के लिये छह माह में नियमावली तैयार करने और उत्पादों पर क्यूआर कोड लागू करने के निर्देश दिये हैं।

राम मंदिर निर्माण में आई तेजी, ट्रस्ट ने जारी की तस्वीरें

अयोध्या ,(एजेंसी)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में तेजी ला दी है। ट्रस्ट द्वारा सोशल मीडिया पर जारी की गई नई तस्वीरों में मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग पूरा हो चुका है और पहली मंजिल पर खंभे लगाए जा रहे हैं।ट्रस्ट के एक प्रवक्ता ने कहा, मंदिर का ग्राउंड फ्लोर और गर्भगृह लगभग पूरा हो चुका है और अंतिम रूप दिया जा रहा है। पहली मंजिल पर खंभे लगाए जा रहे हैं और जनवरी में भक्तों के लिए खोले जाने तक मंदिर की पहली मंजिल पर निर्माण कार्य पूरा करने की योजना है। ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर 160 खंभे लगाए गए हैं जबकि पहली और दूसरी मंजिल पर क्रमशः 132 और 74 खंभे होंगे।

अब 'काल' से होगा हमास का सामना, इजरायल ने गाजा में उतारे खतरनाक हथियार, कांप उठेंगे दुश्मन

यरूशलम, एजेंसी। हमास के हमले के बाद इजरायली सेना पूरी तरह से एक्शन के मूड में है। इजरायली सैनिक अपने खतरनाक बख्तरबंद हथियारों के साथ गाजा की सीमा पर तैनात खड़ी बस आदेश का इंतजार कर रही है। इनमें जीबीयू-72 अमेरिका की खतरनाक बम इजरायल के पास काफी समय से मौजूद है। इसे आईडीएफ गाजा में जमीन के अंदर मौजूद लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए इस्तेमाल कर सकती ह। ये जमीन के अंदर मौजूद किसी भी तहखाने या बंकर को नष्ट करने में सक्षम रहता है। इजरायल गाजा सीमा पर रैकी करने और दुश्मनों का थाह लेने के लिए हेरॉन टीपी ड्रोन का भी इस्तेमाल कर सकता है।

इसका निर्माण गाजा सीमा की रक्षा के लिए ही किया गया है। यह चलते हुए अपने लक्ष्य पर हमला कर सकता है। यह 8 पैदल सैनिकों को युद्ध के मैदान में ले जा सकता है। इसको ऑपरेट करने के लिए एक कमांडर, एक लोडर, एक गनर और एक ड्राइवर की जरूरत होती है।युद्ध क्षेत्र में दुश्मन के हमलों से बचते हुए अपने सैनिकों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाना है। इजरायल ने इसे गाजा की सीमा पर तैनात किया है. यह एक मल्टीपर्पज 8&8 पहियों वाला लड़ाकू वाहन है।गाजा की सीमा पर इजरायल ने खतरनाक डी9आर बुलडोजर उतारा है। इसका इस्तेमाल हमास के बैरिकेड्स को खत्म करने में किया जा सकता है। इस पर 15 टन का कवच लगा हुआ है, जो रॉकेट और आरपीजी को रोकने में भी सक्षम है।एफ-35 काफी खतरनाक फाइटर जेट है। अमरीका द्वारा निर्मित यह जेट मीन से लॉन्च की गई हीट सीकिंग मिसाइलों से बचने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। यह अपने पंखों पर चार 500 पाउंड के जीबीयू-12 लेजर-गाइडेड बम के अलावा, अपने आंतरिक वेपन बे में दो जीबीयू-12 और एक एआईएम-9 हवा में मार करने वाली हीट सीकिंग मिसाइल ले जा सकता है।

एक नजर

अमृत कलश उत्सव में किया शहीदों को याद

देहरादून। मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत मंगलवार को नगर निगम में अमृत कलश उत्सव मनाया गया। जिसमें देश के लिये बलिदान देने वाले शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आज़ादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर देश की मिट्टी और देश के वीर सपूतों को को याद किया जा रहा है। उन्होंने कहा नौ अगस्त को प्रारंभ हुआ ये देशव्यापी अभियान 31 अक्टूबर को अमृत कलश यात्रा के साथ खत्म होगा। मंत्री ने कहा देश की राजधानी दिल्ली में अमृत वाटिका बनाने के लिए देशभर के 7500 कलशों में देश के कोने–कोने से मिट्टी लेकर अमृत कलश यात्रा दिल्ली पहुचेगी। उन्होंने कहा यह अमृत वाटिका एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक होगी। कार्यक्रम में मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजान दास,विधायक सविता कपूर, विधायक वृजभूषण गैरोला और नगर आयुक्त मनुज गोयल सहित कई लोग मौजूद रहे।

उपेक्षा के चलते दम तोड़ रहा हनोल में पीपल पार्क

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग अंतर्गत मोलटा रेंज में बने पीपल पार्क विभागीय अधिकारियों की उपेक्षा के कारण दम तोड़ता नजर आ रहा है। त्यूणी–मोरी रोड पर प्रसिद्ध महासू देवता मंदिर हनोल के ठीक सामने बना पीपल पार्क चकराता वन प्रभाग का महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। विभाग की मंशा थी कि महासू देवता मंदिर के पास तीर्थाटन के साथ साथ इको टूरिज्म का डेवलपमेन्ट भी हो। वर्ष 2017 मे बने पीपल पार्क पर्यटकों को लुभाने अपने ओर खिंचने लग गया था, लेकिन विभागीय अधिकारियों की अनदेखी और उपेक्षा के कारण महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया, जबकि वन प्रभाग के लिए यह प्रोजेक्ट आय का स्रोत भी पैदा करता साथ ही पर्यटकों के लिए भी सैर सपाटे के लिए पिकनिक स्पॉट बनता। वन पर्यावरण प्रेमी लोकेश ओहरी ने बताया कि हनोल पीपल पार्क को लेकर दोनों कांसेप्ट धार्मिक पर्यटन इको टूरिज्म का समावेश को लेकर बनाया गया था। लेकिन विभाग की इच्छा शक्ति अभाव के कारण प्रोजेक्ट का सपना अधूरा रह गया। वन क्षेत्राधिकारी मोलटा महेश शर्मा ने बताया पीपल पार्क हनोल को रिब्यू प्रोजेक्ट बनाकर डिवीजन मुख्यालय भेजा जाएगा।

अपहरण के बाद नाबालिग से दुष्कर्म में आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश। छिद्दरवाला क्षेत्र से अगवा नाबालिग को पुलिस ने नौ दिन बाद खोज निकाला है। पुलिस ने मामले में नाबालिग का अपहरण करने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पूछताछ में नाबालिग के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि पर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने अन्य धाराओं को भी बढ़ा दिया है। पेशी के बाद कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। रायवाला पुलिस के मुताबिक छिद्दरवाला क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने तहरीर देकर बताया कि उसकी बेटी आठ सितंबर को लापता हो गई थी। शिकायत पर पुलिस ने 13 सितंबर को अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज कर नाबालिग की तलाश को प्रयास तेज किए। एसआई नमिता सैनी की अगुवाई में गठित टीम ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग को आरोपी के चंगुल से छुड़ाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

थानाध्यक्ष होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि आरोपी ने नाबालिग ने साथ दुष्कर्म की बात कही है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसके बाद आरोपी पर दुष्कर्म और अन्य धाराओं को बढ़ा दिया गया है। बताया कि आरोपी की पहचान पंकज पुत्र सतीश कुमार निवासी अठूस आगरा, यूपी, हाल निवास सेक्टर–2ए, वशुधरा गाजियाबाद के रूप में हुई है।

सीएम धामी के दुबई पहुंचने पर भव्य स्वागत समारोह आयोजित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दुबई पहुंचने पर उत्तराखण्ड एसोसिएशन ऑफ़ यूएई एवं भारतीय प्रवासियों द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को उत्तराखण्डी टोपी भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने समस्त प्रवासी उत्तराखण्डियों से वर्ष में एक बार उत्तराखण्ड आने की अपील की। साथ ही उन्हे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में धार्मिक पर्यटन, अध्यात्म, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार के क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर देवभूमि उत्तराखण्ड के प्रवासी नागरिकों द्वारा मंत्र मुग्ध करने वाली विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश में रहकर भी अपनी संस्कृति एवं परंपरा से जुड़े रहना अत्यंत सराहनीय है।

भाजपा महानगर ने किया 251 कन्याओं का पूजन

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी महानगर नवरात्र पर मंगलवार को मसूरी विधानसभा के चिडोंवाली कंडोली में 251 कन्याओं का विधि विधान के साथ सामूहिक कन्या पूजन किया। महानगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने अन्य अतिथियों के साथ सबसे पहले विधि विधान के अनुसार कन्याओं के चरण धोकर तिलक लगाया। इसके बाद मौली बांधकर प्रसाद वितरण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भी सभी कन्याओं का पूजन किया।

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बीस सूत्रीय कार्यक्रम समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला,अध्यक्ष राज्य सलाहकार श्रम संविदा बोर्ड के अध्यक्ष कैलाश पंत व नेहा जोशी ने भी सभी कन्याओं का सामूहिक रूप से पूजन किया। इसके बाद सभी को नवरात्र की बधाई दी गई। कार्यक्रम में महानगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, बिजेंदर थपलियाल, महानगर उपाध्यक्ष रतन सिंह चौहान, संध्या थापा, मंत्री संकेत नौटियाल, राजेश बडोनी, पूनम नौटियाल, अरविंद डोभाल, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, महामंत्री आशीष थापा , अंकित जोशी, चुन्नीलाल, अजय कार्की और भावना सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रवि जैन को पर्यवेक्षक बनने पर जताई खुशी

ऋषिकेश। ऋषिकेश निवासी कांग्रेस नेता रवि कुमार जैन को मध्य प्रदेश की पेटलावद विधानसभा क्षेत्र का कांग्रेस पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर ऋषिकेश के कांग्रेसियों ने उन्हें सम्मानित किया और हर्ष जताया। मंगलवार को रेलवे मार्ग स्थित एक कार्यालय में कांग्रेसियों ने कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता रवि कुमार जैन को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ललित मोहन मिश्र ने कहा कि रवि कुमार जैन की क्षमताओं को देखते हुए कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने मध्यप्रदेश की पेटलावद विधान सभा सीट का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। रवि जैन कुशल रणनीतिकार हैं, मेहनती और अत्यधिक जुझारू हैं। वे अपनी क्षमताओं से पेटलावद सीट को मजबूती प्रदान करेंगे। रवि कुमार जैन ने कहा कि कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व ने मुझे जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर जो भरोसा जताया है, वे उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। वे बुधवार को पेटलावद के लिए प्रस्थान करेंगे।

1 नवम्बर से निशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

देहरादून। जिला सैनिक कल्याण पुर्नवास अधिकारी ले० कर्नल जी० एस० चन्द (अ०प्रा०) ने अवगत कराया है कि गढ़वाल मंडल एवं कुमांऊ मंडल के भूतपूर्व सैनिकों / सैनिक विधवाओं के पुत्रों को सेना / नौ सेना / वायुसेना एवं पुलिस / अर्धसैनिक बल में भर्ती हेतु 01 नवम्बर 2023 से 56 दिनों का निशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राज्य सैनिक विश्राम गृह देहरादून में किया जायेगा।

जनपद देहरादून के प्रशिक्षणार्थियों का चयन 27 से 31 अक्टूबर 2023 तक भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर राज्य सैनिक विश्राम गृह, 15 अक्टूबर से –सी कालिदास मार्ग, हाथीबड़कला, देहरादून में किया जायेगा। बाकी अन्य जनपदों के प्रशिक्षणार्थियों का चयन 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2023 तक सम्बन्धित जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा चयनित कर प्रशिक्षणार्थियों को भर्ती पूर्व प्रशिक्षण शिविर राज्य सैनिक विश्राम गृह 15 सी कालीदास मार्ग हाथीबड़कला देहरादून में दिनांक 31 अक्टूबर 2023 तक भेजना सुनिश्चित करेगें ।

उन्होंने अवगत कराया कि प्रशिक्षण के लिए आयु 172 से 21 वर्ष, शैक्षिक योग्यता मैट्रिक पास (45 प्रतिशत अकों से) हों (भारतीय मूल के गोरखा हेतू केवल 10वीं पास) है। वजन 46 कि० ग्रा० तथा सीना 77–82 से० मी० होना चाहिए।

स्वतंत्रता सेनानी जयानंद को याद किया

देहरादून। आजादी के लिए संघर्ष करने वाले और जातिवाद के खिलाफ लड़ने वाले नायक जयानंद भारती को उनकी जयंती के अवसर पर याद किया गया। अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों से जुड़े वक्ताओं ने कहा कि वर्त्तमान स्थिति में न्याय, इंसानियत और लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वाले नायक को याद रखना जरूरी है। उन्होंने जयानंद भारती के जीवन पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में उत्तराखंड महिला मंच की अध्यक्ष कमला पंत, सीपीआई के राष्ट्रीय काउंसिल के सदस्य समर भंडारी, ऑल इंडिया किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुरेंद्र सजवान, जनवादी महिला समिति की सचिव इंदु नौडियाल,त्रिलोचन भट्ट, उत्तराखंड लोकतांत्रिक मोर्चा के अध्यक्ष एसएस पांगती, विजय भट्ट, कमलेश खंतवाल, चेतना आंदोलन के शंकर गोपाल, राजेंद्र शाह आदि मौजूद थे।

एमडीडीए में शामिल किये जाने के खिलाफ 6 गांव के लोगों ने किया तहसील में प्रदर्शन

विकासनगर। नवीन चकराता क्षेत्र के नाम पर छह गांवों को एमडीडीए में शामिल किए जाने के विरोध में क्षेत्र के ग्रामीणों का आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। ग्रामीणों ने तहसील परिसर में प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन चकराता के माध्यम से जिलाधिकारी देहरादून को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में ग्रामीणों ने छह गांवों को एक माह के अंदर एमडीडीए से बाहर करने की मांग की है। मांग पूरी न होने पर ग्रामीणों ने एक माह बाद धरना–प्रदर्शन कर आंदोलन की चेतावनी दी है। मंगलवार सुबह नवीन चकराता क्षेत्र में आने वाले विकासखंड कालसी के गांव ठाणा, टुंगरा, बिरमऊ कुनावा, छुटऊ और नवीन चकराता पुरोड़ी के ग्रामीणों ने चकराता तहसील पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने तहसील परिसर में एमडीडीए और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि नवीन चकराता विनियमित क्षेत्र घोषित करने से पुरोड़ी सहित ठाणा, टुंगरा, बिरमऊ कुनावा, छुटऊ गांव को एमडीडीए के अंतर्गत शामिल किया गया है। जबकि सम्बंधित गांवों के ग्रामीणों ने इस सम्बंध में न तो कभी कोई मांग की न ही कोई सहमति दी है।

मंत्री अग्रवाल ने किया महिला जनप्रतिनिधियों को सम्मानित

ऋषिकेश। शारदीय नवरात्रि पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने महिला जनप्रतिनिधियों को माता की चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को उचित सम्मान देने के लिए कार्य कर रही है।

मंगलवार को बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कविता साह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नगीना रानी, पूर्व पंचायत सदस्य रुकमणि व्यास, मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा निर्मला उनियाल, खदरी खड़कमाफ की प्रधान संगीता थपलियाल, गुमानीवाला की प्रधान दीपिका व्यास, पार्षद रश्मि देवी, पार्षद लक्ष्मी रावत, पार्षद रीना शर्मा, हरिपुर कला

प्रधान गीतांजलि जुखमोला, जिपं सदस्य दिव्या बेलवाल को सम्मानित किया।

प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि के पवित्र दिनों में मातृ शक्ति को सम्मानित कर गर्व महसूस कर रहा हूं। वह घर, मोहल्ला सौभाग्यशाली होता है, जहां माता का गुणगान होता है और जो इसमें सम्मिलित होता है। हर परिस्थिति में हमें माता का साथ मिलता है। हमारी सनातन संस्कृति को बचाने में भी माता का गुणगान आवश्यक है। भाजपा सरकार महिलाओं को उचित सम्मान दे रही है। मौके पर समाजसेवी मानवेंद्र कंडारी, मनोज जखमोला आदि उपस्थित रहे।

कालेज में चुनाव और शहर में कर रहे शक्ति प्रदर्शन

देहरादून। छात्रसंघ चुनाव की तारीख भले ही अभी तय ना हो पायी हो। लेकिन छात्रों ने शक्ति प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वो भी कालेज से बाहर निकलकर शहर में।

मंगलवार को एनएसयूआई के अध्यक्ष पद के दावेदार राहुल जग्गी ने भी समर्थकों के साथ लॉर्ड वैंकटेस से डीएवी तक रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। दोपहर में बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता लार्ड वैंकटेश वेडिंग प्वाइंट में जमा हुए। वहां से राहुल राहुल और एनएसयूआई जिंदाबाद के नारे लगाते हुए छात्र बाइकों व कारों में सचिवालय व पुलिस मुख्यालय के सामने हुड़दंग करते हुए निकले। फिर वे ईसी रोड चौराहे से होते हुए करनपुर से डीएवी कालेज पहुंचे।

श्रद्धा पूर्वक मनाई गई कत्तक महीने की संग्राद

देहरादून। श्री गुरु सिंह सभा में मंगलवार को कत्तक महीने की संग्राद श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। प्रातः नितनेम के बाद हजूरी रागी भाई चरनजीत सिंह ने आसा दी वार का शब्द सतगुरु होइ दइआलु त सरधा पुरिऐ का गायन किया। वहीं सेवक परिवार की ओर से रखे गये श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए। हैड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने कहा कि जो इन्सान प्रभु को भुला देते हैं उनके जीवन में किए हुए अपने कर्मों की वजह से हमेशा रोग लगे रहते हैं। उनका जीवन विशे विकारों में फस जाता है । जो कत्त-ाक के महीने में गुरु साहिब की संगत करते हैं तब जीव चिंता–रोग मुक्त हो जाते हैं। कार्यकर्म में विशेष रूप से गुरद्वारा साहिब के हजूरी रागी जत्थे भाई चरणजीत सिंह और भाई गुरदियाल सिंह ने कतक करम कमावणे दोस न काहू जोग व आगै सुख मेरे मीता,पाछे आनद प्रभ कीता का शब्द गायन किया।। इसके बाद हैंड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की। प्रधान गुरबख्श सिंह राजन व जनरल सेक्रेट्री गुलज़ार सिंह ने संगतों को कत्तक महीने की संग्राद की बधाई दी । इस दौरान सरदार दविंद्र सिंह, सहदेव,तिलक राज कालरा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दविंद्र भसीन ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह ,सेवा सिंह मठारु,मंजीत सिंह,गुरप्रीत सिंह जौली, सतनाम सिंह जी,स सुरजीत सिंह, तिलक राज कालरा, दविंदर सिंह सहदेव,राजिंदर सिंह राजा, गुरनाम सिंह, अविनाश सिंह, अरविंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।।

राजभवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित कार्यशाला आयोजित

देहरादून। मंगलवार को राजभवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया। यूटीयू द्वारा तैयार किए गए इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम में राजभवन देहरादून और राजभवन नैनीताल में अवस्थित चीजों(इन्वेंट्री) हेतु क्यूआर कोड तैयार किया गया है। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर उस सामान या इन्वेंट्री की पूरी जानकारी आ जाएगी। इसमें गृह अधिष्ठान अवार्ड, आईटी सेक्शन, लाइब्रेरी, पीडब्लूडी विद्युत एवं सिविल में उपलब्ध इन्वेंट्री को शामिल किया गया है। इससे उस सामान के लाए जाने से लेकर निष्प्रयोज्य होने तक की जानकारी उपलब्ध होगी। कुलपति यूटीयू ओंकार सिंह ने इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

इस दौरान राज्यपाल ने एक राजभवन हेतु एआई आधारित स्मार्ट ऑटोमेशन सिस्टम का भी शुभारंभ किया। इसके अंतर्गत पहले चरण में ऑनलाइन गेट पास सिस्टम, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट तथा ई–इनविटेशन सिस्टम शुरू किया गया है। इस प्रक्रिया में राजभवन में आने वाले आगंतुक राजभवन की वेबसाइट पर जाकर कहीं से भी ऑनलाइन अप्लाई कर सकेंगे। गेट पर पहुंचते ही वहां लगा कैमरा उनकी पहचान करेगा जिसके आधार पर वे राजभवन आ सकेंगे। इसके अलावा विभिन्न राजकीय समारोह में राजभवन में आमंत्रित किए जाने वाले महानुभावों को ई–इनविटेशन प्रेषित किया जाएगा जिसे गेट में दिखाकर वे राजभवन में प्रवेश कर सकेंगे। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक संजय गुप्ता ने स्मार्ट ऑटोमेशन सिस्टम के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

कार्यशाला में एआई और रोबोटिक्स पर विषय विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित लोगों को अपने–अपने प्रस्तुतिकरण दिए गए। इस कार्यशाला में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन उत्तराखंड विषय पर यूपीईएस के प्रो. संजीव ने अपना प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षण गतिविधियों में एआई का प्रयोग कर शिक्षण को और रूचिकर व सुगम बनाया जा सकता है। यूपीईएस के प्रो. प्रिया रंजन द्वारा रोबोटिक्स के प्रयोग और उसके लाभ के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में यूपीईएस के प्रो. मुत्तुकुमार, प्रो. आर एस अय्यर और डॉ पद्मा ने एआई के विकास और गवर्नेंस में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक को अपनाना बेहद जरूरी है। तकनीक को न अपनाये जाने से हम विकास की दौड़ में पीछे रह सकते हैं। नवीन तकनीकों के माध्यम से जहां कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी वहीं व्यक्ति की जवाबदेही भी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से देश और दुनिया में गति, शक्ति और प्रगति देखने को मिल रही है। यह एक ऐसा शक्तिशाली तंत्र है जिसने जीवन के हर पहलू को छुआ है। इसके माध्यम से दैनिक दिनचर्या से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं परिवहन जैसे क्षेत्र में क्रांति ला दी है।राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में आईटी और एआई के माध्यम से पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि इन सिस्टम के माध्यम से डिजिटल पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित इस एप को राजभवन से प्रारंभ किए जाने से प्रदेश के अन्य विभागों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन से इसकी शुरूआत किए जाने का उद्देश्य प्रदेश के अन्य विभागों एवं संस्थानों को एआई आधारित सिस्टम को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना है। उन्होंने कहा कि एआई के उपयोग से कार्यकुशलता में वृद्धि के साथ–साथ निर्णय लेने की क्षमता भी और बेहतर होती है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से अनेक कार्यप्रणालियों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। राज्यपाल ने यूटीयू, एनआईसी और यूपीईएस विश्वविद्यालय को सहयोग के लिए धन्यवाद किया।इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन ने उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के मार्ग निर्देशन में आज एआई कार्यशाला और अन्य कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपादित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के विजन के अनुरूप राजभवन से आईटी और एआई आधारित कार्यों की शुरूआत की गई है। इस कार्यक्रम में डीजीपी अशोक कुमार, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, एडीजी अंशुमान सिंह, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया सहित विभिन्न विभागों के सचिव, विश्वविद्यालयों के कुलपति, स्टेट एनआईसी ऑफिसर आशेष अग्रवाल सहित विभिन्न कॉलेजों के छात्र–छात्राएं व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नियमों का उल्लंघन कर रहे मस्जिदों में लगे लाउडस्पीकर

कोटद्वार : हिंदू जागरण मंचन ने मस्जिदों में तेज आवाज से बजने वाले लाउडस्पीकरों पर रोक लगवाने की मांग की है। कहा कि न्यायालय के आदेश के बाद भी लगातार नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। इस संबध में उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में मंच के प्रतिनिधियों ने कहा है कि कोटद्वार नगर स्थित मस्जिदों से पांचों वक्त की नमाज की अजान व विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को तेज आवाज में प्रसारित किया जाता है, जिससे छात्रों को पठन-पाठन व जन सामान्य को अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। कहा कि यह माननीय न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन है। इसलिए लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल पर रोक लगानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में मंच के जिला संयोजक सौरभ गोदियाल, प्रकाश ढ़ौंडियाल, अनूप ध्यानी, राजेश और विक्रांत आदि शामिल थे।

त्योहार व शादी सीजन में रुलाने लगा शहर का जाम, पुलिस ने उठाए वाहन

शहर की यातायात व्यवस्था में बाधा बन रहे सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : त्योहार व शादी सीजन में शहर की यातायात व्यवस्था बेपटरी होने लगी है। सड़कों पर सुबह से ही जाम की स्थिति बन रही है। ऐसे में अब व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए पुलिस ने भी सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। सड़क किनारे बेतरतीब से खड़े वाहनों को क्रेन से कोतवाली लाकर सीज किया गया। इस दौरान व्यापारियों को भी सड़क पर अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई।

पितृ पक्ष समाप्त होने के बाद त्योहार व शादियों का सीजन भी शुरू हो गया है। ऐसे में शहरवासी खरीदारी करने के लिए बाजार आ रहे हैं। जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति बन रही है। जाम के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे बुरी स्थिति नजीबाबाद रोड, बदरीनाथ मार्ग, स्टेशन रोड, देवी रोड में बनी हुई है। ऐसे में लगातार बिगड़ रही व्यवस्था को सुधारने के लिए यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है।

मंगलवार को यातायात पुलिस की टीम ने सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस दोपहिया वाहनों को अपने क्रेन वाहन में रखकर कोतवाली लेकर पहुंची। इस दौरान शहरवासियों को अपने वाहन सड़क किनारे सफेद पट्टी के भीतर खड़ा करने की चेतावनी दी गई। कहा कि यदि कोई भी वाहन यातायात में बाधा पहुंचाता है तो उसे सीज कर दिया जाएगा।

अतिक्रमण बन रहा चुनौती

शहर में जाम का सबसे बड़ा कारण सड़कों पर फैला अतिक्रमण है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मुख्य मार्गों पर व्यापारियों ने सड़क तक दुकानें सजाई हुई है। जबकि, शहरवासी नगर निगम से अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती दिखाने की भी मांग उठा चुके हैं। लेकिन, नगर निगम भी अतिक्रमण हटाने के नाम पर केवल खानापूर्ति ही कर रहा है।

कोटद्वार के झंडाचौक में यातायात में बाधा बन रहे वाहनों को उठाकर ले जाती पुलिस।

पूर्व सैनिकों ने उठाई मांग, किन्नरों की मनमानी पर रोक लगाए प्रशासन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने शगुन के नाम पर बढ़ रही किन्नरों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की है। कहा कि इस संबंध में पूर्व में भी क्षेत्रवासी कई बार प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब भी किन्नरों की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी गरीब परिवार के लोगों को हो रही है।

इस संबध में परिषद ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि लोगों के घरों में शुभ कार्य होने पर किन्नर वहां धमक जाते हैं और मनमानी राशि की मांग करते हैं। ये किन्नर गरीब परिवारों से भी मनमानी राशि की मांग कर उनकी परेशानी बढ़ा देते हैं। कहा कि कोटद्वार में अधिकाशं परिवार खेती कर अपना गुजर बसर करते हैं। ऐसे में पाई-पाई जोड़कर वे अपने बच्चों का विवाह और अन्य शुभ कार्य संपन्न कराते हैं। लेकिन किन्नरों का समूह वहां पहुंचकर शगुन के नाम पर बड़ी राशि की मांग करता है। ऐसे में परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मुंह मांगी राशि न देने पर किन्नर अभद्रता पर उतर आते हैं। कई बार किन्नर परिवारों को शर्मिंदा भी कर देते हैं। पूर्व में क्षेत्रवासी कई बार प्रशासन से शिकायत भी कर चुके है। जिसके बाद प्रशासन ने किन्नरों को शगुन के नाम पर मनमानी नहीं करने की चेतावनी दी थी। लेकिन, किन्नरों ने प्रशासन की चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया। इसलिए किन्नरों के शगुन की राशि तय की जानी चाहिए। यदि किन्नर मनमानी दिखाएं तो उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में परिषद अध्यक्ष जी के बड़थ्वाल, सी पी डोबरियाल, बलवान सिंह रावत, अनूप बिष्ट और सुरेश रावत आदि थे।

प्रवीन रावत को मिली कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : प्रदेश कांग्रेस की ओर से प्रवीन रावत को कोटद्वार महानगर कांग्रेस कमेटी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

उनकी नियुक्ति पर स्थानीय बारातघर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उनका सम्मान किया। समारोह में मौजूद पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी एवं महापौर हेमलता नेगी ने प्रवीन रावत को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि उनकी इस पद पर नियुक्ति से पार्टी का जनाधार बढ़ेगा। वहीं नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत ने कहा कि पार्टी की ओर से जो जिम्मेदारी उनको दी गई है, उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेंगे। सम्मान समारोह में महानगर कांग्रेस अध्यक्ष संजय मित्तल, पूर्व ब्लाक प्रमुख गीता नेगी, महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुधा असवाल, धीरेंद्र बिष्ट, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय रावत, सेवादल अध्यक्ष महावीर सिंह रावत और पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रमोहन खर्कवाल सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीन रावत को सम्मानित करते पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी।

दुग्ध उत्पादन के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डेरी विकास विभाग की ओर से दुग्ध समिति भूदेवपुर व शिवराजपुर में स्वच्छ दुग्ध उत्पादन को लेकर आयोजित गोष्ठी में दुग्ध उत्पादकों को स्वच्छ दूध उत्पादन के लिए प्रेरित किया गया।

गोष्ठी में सहायक निदेशक डेरी लीलाधर सागर ने कहा कि दुग्ध उत्पादन वर्तमान में आर्थिकी को मजबूत करने का अच्छा जरिया बन चुका है। काश्तकारों को उन्नत बीज का इस्तेमाल कर अच्छे चारे का उत्पादन करना चाहिए। अच्छे चारे के प्रयोग से गायों के दूध में वृद्धि होती है। मौके पर सभी पशुपालकों को सौ किलो बरसीम और सौ किलो जई का उन्नत बीज वितरित किया गया। गोष्ठी में 102 दुग्ध उत्पादकों ने प्रतिभाग किया।

जयंती पर कर्मवीर जयानंद भारतीय को किया याद

शैल शिल्पी विकास संगठन की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शैल शिल्पी विकास संगठन की ओर से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कर्मवीर जयांनद भारतीय की जयंती मनाई गई। इस दौरान सदस्यों ने समाज हित में जयानंद भारतीय के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कहा कि समाज हित में दिए गए भारतीय के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

मंगलवार को संगठन कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सदस्यों ने जयानंद भारतीय की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि जयानंद भारतीय महान कर्मवीर, स्वतंत्रता सेनानी व समाज सुधारक थे। वह आजीवन शिल्पकार समाज के सुधार के लिए संघर्षरत रहे। कहा कि 6 सितंबर 1932 को कर्मवीर जयानंद भारतीय ने अपनी वीरता का परिचय देते हुए मंडल मुख्यालय पौड़ी में तत्कालीन अंग्रेज गवर्नर मैलकम हेली के स्वागत दरबार को खंडित कर अदम्य साहस का परिचय दिया। कहा कि उनकी जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में संगठन के संयोजक विकास आर्य, धीरजधर बछवाण, सुरेंद्र लाल आर्य, मनवर लाल भारती, जयदेव सिंह, अनिल प्रधान, विनोद कुमार, सतेंद्र सिंह और अरूण कोटला सहित संगठन के सभी सदस्य मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जयांनद भारतीय को श्रद्धांजलि देते सदस्य

यातायात के लिए खोला जाएं लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मालिनी गौरव सैनानी एवं अर्द्धसैन्य बल संगठन ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को आवाजाही के लिए नहीं खोले जाने पर रोष व्यक्त किया है। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंगलवार को संगठन के अध्यक्ष कुबेर सिंह जलाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। कहा कि दशकों से वाहनों की आवाजाही के लिए चल रहे लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग को बंद कर दिया गया है। गढ़वाल से कुमाऊ को जोड़ने वाले इस मार्ग के बंद होने से जनता में रोष बना हुआ है। मार्ग बंद होने से जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि एनजीटी को केवल लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग ही दिखाई दे रहा है। जबकि, उत्तराखंड में अधिकांश सड़के वन क्षेत्र से होकर ही गुजर रही हैं। बैठक में समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी गई। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्णय लिया गया कि समस्या को लेकर जल्द ही वन विभाग के उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात की जाएगी। इस मौके पर मधुसूदन नेगी, प्रकाश रावत, राकेश थपलियाल, जगत सोंद, वीरेंद्र सिंह नेगी, हरीश चंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

मालिनी गौरव सैनानी एवं अर्द्धसैन्य बल संगठन की ओर से आयोजित की गई बैठक

मालिनी गौरव सैनानी एवं अर्द्धसैन्य बल संगठन की ओर से आयोजित बैठक में शिरकत करता क्षेत्रीय जन।

स्कूली बच्चों को स्वेटर वितरित की

पौड़ी : जनसेवा को समर्पित वासुकी फाउंडेशन द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज शंकरपुर के जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरित की। फाउंडेशन के चेयरमैन पीएन शर्मा ने बताया कि निकट भविष्य में स्वेटर के साथ ही जूते भी जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए जाएंगे। प्रभारी प्रधानाचार्य डा. हाकिम सिंह ने फाउंडेशन के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर बीएन शर्मा, आरसी शर्मा, डा. एसके सिंह, संतोष कुमार तिवारी, डॉ. नारायण अग्रवाल, महेश भारती, अखिलेश कुमार, मनमोदशंकर शर्मा, नरेश सोराड़ी, अनिल कनवाल, अभिनंदन अमोली, एलएम भट्ट, अनिल सुंद्रियाल, मनेशकुमार, अर्जुन रावत आदि शामिल थे।

बंगाल से लैंसडौन घूमने आए पर्यटक की मौत

पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंपा

कोटद्वार : पश्चिम बंगाल से लैंसडौन घूमने आए एक पर्यटक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पर्यटक अपनी पत्नी के साथ लैंसडौन पहुंचा था। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया।

पश्चिम बंगाल निवासी सुजीत कुमार दत्ता (आयु 71) पुत्र गोपाल चंद्र दत्ता 16 अक्टूबर को अपनी पत्नी राजेश्वरी दत्ता के साथ बंगाल से लैंसडौन घूमने आए थे। लैंसडौन घूमने के बाद 17 अक्टूबर को वह निजी वाहन से ताड़केश्वर धाम के दर्शन को जा रहे थे। लेकिन, ताड़केश्वर धाम के समीप पहुंचते ही अचानक सुजीत दत्ता के सीने में तेज दर्द होने लगा। जिससे वह बेहोश हो गए। आनन-फानन में उनकी पत्नी ने लोगों की मदद से उन्हें लैंसडौन कैंट अस्पताल पहुंचाया। सुजीत की गंभीर हालत को देखते हुए लैंसडौन से उन्हें राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार के लिए रेफर किया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया।

पुलिस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से करेगी जागरूक

पौड़ी : रामलीला मंचन के दौरान जिले की पुलिस जनता को साइबर अपराध, महिला संबंधी अपराध, गुड टच बेड टच, नशे के दुष्प्रभावों के विषय में नाटक, नुक्कड़ नाटक, व्याख्यानों आदि के माध्यम से जागरूक करेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में रामलीला मंचन के दौरान रामलीला कमेटी से समन्वय स्थापित करते हुए दर्शकों को साइबर अपराध, महिला संबंधी अपराध, गुड टच बेड टच, नशे के दुष्प्रभावों के विषय में नाटक, नुक्कड़ नाटक, व्याख्यानों आदि के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही महिलाओं एवं युवतियों का उत्तराखण्ड पुलिस एप के गौरा शक्ति मोड्यूल में ज्यादा से ज्यादा रजिस्ट्रेशन करने को भी कहा गया है।

शहरी विकास मंत्री ने किया शहरी आजीविका मेले का शुभारंभ

महिला स्वयं सहायता समूह और पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रदेश सरकार के वित्त, शहरी विकास मंत्री प्रेम चन्द अग्रवाल ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रणम के दौरान नगर पालिका परिषद के बहुउद्देशीय भवन का शिलान्यास, दीन दयाल अन्तोदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वंय सहायता समूहों के एक दिवसीय मेले का शुभारम्भ व प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया।

मंगलवार को शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने जनपद मुख्यालय पौड़ी का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जिला मुख्यालय पर निर्माणाधीन बस अड्डे का निरीक्षण किया। उन्होंने गढ़वाल मंडल के चार जनपदों टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग व पौड़ी के प्रतिभागी 45 स्वंय सहायता समूहों की स्टॉलों का निरीक्षण कर समूहों को प्रतिभाग प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। जबकि 18 प्रधानमंत्री स्वनिधि के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र व गिफ्ट भेंट कर सम्मानित किया गया।

पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को ऋण अवमुक्त करने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले तीन बैकों एसबीआई, पीएनबी व बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबंधकों को भी प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

दीन दयाल अन्तोदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वंय सहायता समूहों के एक दिवसीय मेले के शुभारम्भ अवसर पर शहरी विकास मंत्री ने कहा कि टिहरी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी व उत्तरकाशी के कुल 548 महिला स्वंय सहायता समूहों की 3800 महिलायें स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ रोजगार पा रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय ऑर्गेनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हरिद्वार के बाद पौड़ी में इस प्रकार के शहरी आजीविका मेले का आयोजन किया गया है, जिसे अन्य जनपदों में भी जारी रखा जायेगा।

उन्होंने केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि शहरों व कस्बों के स्ट्रीट वेण्डरों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि जैसी योजना मील का पत्थर साबित हुई है।

कहा कि आजीविका मेले का उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को रोजगार से जोड़ना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनके विपणन की सुगम व्यवस्था व वैल्यू एडीशन कर अधिक मुनाफा कमाना है।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम ने नगर पालिका परिषद पौड़ी क्षेत्रांतर्गत निर्माणाधीन योजनाओं के लिए सरकार द्वारा दी जा रही अर्थिक सहायता व सक्रिय सहयोग के लिए शहरी विकास मंत्री का आभार व्यक्त किया।

जिला पंचायत अध्यक्षा शांति देवी ने महिला स्वंय सहायता समूहों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर महिलाओं की सराहना की। कहा कि शहरी आजीविका मिशन के तहत गठित महिला समूहों द्वारा बनाये जा रहे उत्पादों से स्वरोजगार को बढावा देना तरीफ के काबिल है।

इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, अपर जिलाधिकारी ईला गिरी, उपजिलाधिकारी सदर अबरार अहमद, श्रीनगर नूपुर वर्मा, ईओ नगर पालिका गौरव भसीन, भाजपा अध्यक्ष सुषमा रावत सहित शशि चंद रतूड़ी, गौरव मोहन, सुधीर जोशी सहित विभिन्न अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल महिला को सम्मानित करते हुए।

कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द्र अग्रवाल विकास कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए।

ताड़का ने दर्शकों को डराया, भारी ठण्ड के बीच जुटे दर्शक

अल्मोड़ा। सोमवार को कर्नाटक खोला में द्वितीय दिवस की राम लीला का मुख्य अतिथि महेन्द्र बिष्ट तथा संजय वाणी जिला पंचायत सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। द्वितीय दिवस की रामलीला का मुख्य आकर्षण दशरथ विश्वामित्र संवाद, ताड़का द्वारा नरसंहार, मुनियों का यज्ञ विध्वंस, ताड़का वध, मारीच सुबाहु का राम लक्ष्मण से युद्ध, सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार, गौरी पूजन रहा। द्वितीय दिवस की रामलीला में ताड़िका ने अपने अभिनय से सभी को रोमांचित किया। राम लक्ष्मण का मारीच सुबाहु से युद्ध, अहिल्या उद्धार आदि की लीला का दर्शकों ने देर रात तक आनन्द लिया। राम के किरदार में रश्मि काण्डपाल, लक्ष्मण के किरदार में दीक्षा कर्नाटक, सीता के किरदार में कोमल जोशी, दशरथ के किरदार में अनिल रावत, ताड़िका के किरदार में कमल जोशी, मारीच के किरदार में अमर बोरा, सुबाहु के किरदार में हेम जोशी, अहिल्या के किरदार में मेघना पाण्डे, गौरी के किरदार में दरशिका जोशी तथा राम, लक्ष्मण, सीता, दशरथ, अहिल्या, गौरी के कलाकारों के सुंदर अभिनय, गायन एवं संवादों ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला समिति के संस्थापक/संयोजक बिट्टू कर्नाटक द्वारा रामलीला का उत्कृष्ट मंचन दिखाए जाने की काफी सराहना की गई। साथ ही देश विदेशों में आन लाइन देख रहे दर्शकों ने अपने संदेशों के माध्यम से रामलीला मंचन की भूरि भूरि प्रशंसा की।

28 को निकाली जाएगी शोभायात्रा

हल्द्वानी : मंगलवार को भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा समिति के पदाधिकारी ने समिति के अध्यक्ष शुभम उत्तम के नेतृत्व में कोतवाली में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक मौ. युनूस से मुलाकात की गई। 28 अक्टूबर को शहर में निकलने वाली भव्य शोभायात्रा के विषय पर चर्चा की गई । समिति के पदाधिकारीयों द्वारा शोभायात्रा में सुरक्षा की दृष्टिकोण से पर्याप्त पुलिस बल लगवाने को कहा। शासन प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने का भी आश्वासन दिया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष राजकुमार रौनी, महामंत्री प्रिंस कुमार व गौरव कुमार, झाँकी सयोंजक सुजल उत्तम, कोषाध्यक्ष राजीव चौधरी मौजूद रहे। (एजेंसी)

हाईवे में कार बोलेरो से टकराई, युवक रेफर

चम्पावत : टनकपुर-बनबसा हाईवे में एक अनियंत्रित कार बोलेरो वाहन से जा टकराई। हादसे में कार चालक यूपी निवासी चालक बुरी तरह से घायल हो गया। जिसे उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। कार में कुल तीन लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह टनकपुर से बिजनौर, यूपी को जा रही कार संख्या डीएल 6177 कमलपथ के पास स्पीड ब्रेकर में अनियंत्रित होकर बोलेरो वाहन से जा टकराई। हादसे में बिजनौर, यूपी कार चालक 25 वर्षीय कपिल कुमार पुत्र हरविंदर कुमार घायल हो गया। कार में सवार दोनों बिजनौर निवासी दिग्विजय पुत्र स्व नरेंद्र और हिमांशु पुत्र अनिल कुमार ने घायल साथी कपिल को तुरंत उपजिला अस्पताल पहुंचाया।

129 साल का हुआ बीड़ी पांडे अस्पताल

नैनीताल : बीडी पांडे जिला अस्पताल का 129वां स्थापना दिवस मनाया गया। अस्पताल के पीएमएस डॉ. द्रौपदी गर्ब्याल ने अस्पताल स्टाफ के साथ केक काटा। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. एमएस दुग्ताल ने बताया कि 17 अक्तूबर 1894 को तत्कालीन ले. गर्वनर चार्ल्स हॉक्स क्रास्थ्वेथ ने इस अस्पताल की स्थापना की थी। आजादी तक इसका नाम क्रास्थ्वेथ अस्पताल रहा। इसके बाद कुमाऊं की महान विभूति बीडी पांडे के नाम पर अस्पताल का नामकरण किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि 129 साल के गौरवशाली सफर में अस्पताल ने हजारों लोगों की सेवा की है। इसे लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रयास जारी है। यहां डॉ. संजीव खरकवाल, डॉ. प्रियांशु श्रीवास्तव, आईके जोशी आदि उपस्थित रहे। (एजेंसी)

हरीश रावत को महाराष्ट्र जाकर सावरकर को लेकर बयानबाजी करने की दी सलाह

हल्द्वानी : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के सावरकर को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। भट्ट ने कहा कि यदि कांग्रेस नेता रावत वास्तव में ताकतवर हैं तो वह महाराष्ट्र की धरती पर जाकर सावरकर को लेकर बयानबाजी करें। उन्होंने कहा कि सावरकर नहीं, कांग्रेस की विघटनकारी नीतियां देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थीं।

भाजपा के कुमाऊं संभाग कार्यालय में मंगलवार को पत्रकारों से बतचीत करते हुए भट्ट ने कहा कि कांग्रेस की नीति हमेशा अल्पसंख्यक तुष्टिकरण वाली रही है। कहा कि पिछले चुनावों में वोटों के ध्रुवीकरण के लिए कांग्रेस ने मुस्लिम युनिवर्सिटी का मुद्दा उठाया था। अब लोकसभा चुनाव नजदीक आते देख रावत फिर से तुष्टिकरण का कार्ड खेलने लगे हैं। इसका खामियाजा उन्हें विधानसभा चुनावों की तरह लोकसभा चुनाव में भी हार के रूप में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति नहीं बदली तो उत्तराखंड से उनका पूरी तरह से सफाया हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देवभूमि की राष्ट्रवादी जनता, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय भी शामिल है, रावत की इन साजिशों में फंसने वाली नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि कुमाऊं में प्रधानमंत्री मोदी का दौरा ऐतिहासिक रहा है। पीएम मोदी के दौरे से देश–दुनिया के लोगों की नजरें कुमाऊं के आध्यात्मिक पर्यटक स्थलों पर पड़ी है। इससे कुमाऊं में आध्यात्मिक पर्यटन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। (एजेंसी)

डॉ. ओली अध्यक्ष तो डॉ. पांडे बने महासचिव

हल्द्वानी : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की हल्द्वानी शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है।

2024 की कार्यकारिणी में संरक्षक पद पर डॉ. त्रिलोचन सिंह, अध्यक्ष डॉ. उपेंद्र कुमार ओली, महासचिव डॉ. प्रदीप पांडे, उपाध्यक्ष डॉ. मधु भंडारी, डॉ. रवि अदलखा, डॉ. राहुल सिंह, डॉ. आईपी अरोड़ा और जॉइंट सेक्रेटरी पद पर डॉ. मुकेश चंद जोशी, डॉ. दीपक अग्रवाल व डॉ. देवाशीष गुप्ता को चुना गया है।

सभी कार्य गुणवत्ता के साथ साथ समयबद्धता से किए जाएं: मुख्य विकास अधिकारी

अल्मोड़ा। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे द्वारा आज ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा, विधायक निधि, जल संरक्षण, ओडीएफ आदि के कार्यों की समीक्षा बैठक सभी खंड विकास अधिकारियों एवं जिला स्तरीय रेखीय विभागीय अधिकारियों के साथ विकास भवन सभागार में की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ साथ समयबद्धता से किए जाएं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जो कार्य विभागों के माध्यम से कनवर्जेंस से किए जाने हैं, उन्हें आपसी समन्वय के साथ तेजी से करें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने आजीविका संबंधित कार्यों को प्राथमिकता एवं विशेष सत्रिग्रता से पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी कार्यों में वित्तीय एवं भौतिक प्रगति को बढ़ाने हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

दहेज उत्पीड़न के आरोप में पति समेत चार पर मुकदमा

काशीपुर : एक महिला ने पति व ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी तहरीर में मोहल्ला घासमंडी निवासी समरीन सिद्दीकी ने कहा, उसकी शादी गौलागंज लखनऊ के सलीम पुत्र इकरार हुसैन से हुआ था। शादी के बाद से ही पति सलीम, ससुर इकरार हुसैन, ननद इरमनाज, अमरीन, देवर अदनान आदि ने दहेज में कार की मांग को लेकर मारपीट शुरू कर दी। विवाद के चलते वह मोहल्ला कटोराताल में अपने पति के साथ किराए के मकान में रहने लगी। 1 मार्च 2023 की शाम ससुराली दहेज में 25 लाख रुपये की मांग करते हुए पति को अपने साथ ले गए और उससे मारपीट की।

सोमेश्वर पुलिस ने इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं को किया जागरूक

अल्मोड़ा। जनपद के एसएसपी रामचन्द्र राजगुरु द्वारा महिलाओं एवं नाबालिग बच्चों के साथ घटित होने वाले अपराधों की गंभीरता एवं संवेदनशीलता के दृष्टिगत जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों को स्कूल, कॉलेजों व शैक्षणिक संस्थानों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने को निर्देशित किया गया है। एसएसपी अल्मोड़ा के निर्देशों के क्रम में सोमवार को थाना सोमेश्वर के उपनिरीक्षक धरम सिंह, प्रभारी चौकी ताकुला द्वारा चौकी क्षेत्र के श्री राम राजकीय इंटर कॉलेज डोटियालगांव में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर स्कूल के छात्र/छात्राओं व स्टॉफ को वर्तमान में विभिन्न माध्यमों से घटित हो रहे साईबर क्राईम, नशे के दुष्प्रभावों, यातायात नियमों आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा अन्य लोगों को भी जागरुक करने हेतु प्रेरित किया गया। छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति सजग करते हुए महिला संबंधी अपराधों, यौन उत्पीड़न, मानव तस्करी व गुड टच/ बैड टच आदि की जानकारी दी गई तथा सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म्स के प्रयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताते हुए में किसी भी अंजान व्यक्ति से बात नहीं करने और अपनी जानकारी किसी से शेयर नहीं करने हेतु बताया गया, साथ ही महिला सुरक्षा से संबंधित गौरा शक्ति फीचर व एसओएस बटन की उपयोगिता के बारे में बताकर रजिस्ट्रेशन हेतु प्रेरित किया गया।

पुलिस ने दो वारंटी दबोचे

काशीपुर : कुंडा पुलिस ने ऑपरेशन क्रैक डॉउन के तहत वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत वारंटी इरफान पुत्र मोहम्मद असलम निवासी सरवरखेड़ा थाना कुंडा तथा पवन कुमार पुत्र गणेश दास निवासी हल्दूआ साहू थाना कुंडा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। (एजेंसी)

प्राधिकरण के विरोध में सर्वदलीय संघर्ष समिति का धरना जारी

अल्मोड़ा। जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को समाप्त करने की मांग को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति के बैनर तले अल्मोड़ा के लोग पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी के नेतृत्व में विगत 6 वर्षों से निरन्तर गांधी पार्क चौहानबाटा अल्मोड़ा में धरना देते आ रहे हैं। विदित हो कि नवम्बर 2017 में अल्मोड़ा सहित समूचे पर्वतीय क्षेत्र में प्रदेश सरकार द्वारा जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण लागू कर दिया गया था जिसका विरोध लगातार जारी है।

मंगलवार को धरने को सम्बोधित करते हुए समिति के संयोजक एवं पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी ने कहा कि भाजपा सरकार केवल विज्ञापनों के माध्यम से अपनी पीठ खुद थपथपा रही है लेकिन जनता की समस्याओं से उसे कोई लेना देना नहीं है। वरिष्ठ नागरिक, पेंशनर्स, अल्मोड़ा की जनता लगातार पांच वषों से जिला विकास प्राधिकरण को समाप्त करने के लिए धरना दे रही है पर प्रदेश सरकार सुनने को तैयार नहीं है।

नवंबर 2017 में भाजपा सरकार ने तुगलकी फरमान से पूरे प्रदेश में जनविरोधी जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण को लागू कर दिया। प्राधिकरण लागू करने से पहले सरकार ने अल्मोड़ा जैसे पर्वतीय जिले की भौगोलिक स्थिति का भी आकलन नहीं किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय गंगा कमेटी की बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी विनीत तोमर की अध्यक्षता में नवीन कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय गंगा कमेटी की बैठक आयोजित की गई। मंगलवार बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पूर्व बैठकों में दिये गये निर्देशों के क्रम में किए गए कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने बैठक में निर्देश दिए कि नदी किनारे पड़ने वाले शहरी क्षेत्र व ग्राम पंचायतों द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन किया जा रहा या नहीं इसका समय–समय पर निरीक्षण किया जाय ताकि हम अपने जनपद की नदियों को स्वच्छ रख सकें। साथ ही उन्होंने जिला पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इसकी एक सुस्पष्ट रिपोर्ट बनाकर प्रस्तुत की जाए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समय–समय पर कोसी नदी व सहायक नदियों के आस–पास स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जाय जिससे लोगों को नदियों के संरक्षण व स्वच्छता के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने जिला पंचायत व खण्ड विकास अधिकारी हवालबाग को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर लोगों द्वारा कूड़ा फेंका जा रहा है उन्हें चिन्हित करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाय। जिलाधिकारी ने संबंधितों को निर्देश दिए कि जागेश्वर समेत सभी प्रमुख मंदिरों में चढ़ने वाले फूल प्रसाद मंदिर के बाद उद्यान विभाग को दिए जाएं, जिससे उसका समुचित प्रयोग जैविक खाद बनाने में किया जा सके। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी ध्रुव सिंह मतोलिया समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कार से पेटी शराब पकड़ी

पिथौरागढ़ : गंगोलीहाट पुलिस ने एक कार से अवैध शराब पकड़ी है। थानाध्यक्ष मंगल सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने अवैध शराब रोकथाम को लेकर बेरीनाग मार्ग में चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मार्ग में आवाजाही कर रही कार संख्या यूके 05टीए 2907को रोका। जांच के दौरान कार से 15 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने कार सवार के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। टीम में हेड कांस्टेबल मनोज कुमार भट्ट, कांस्टेबल विनोद जोशी शामिल रहे। (एजेंसी)

गंदगी फैला रही ट्रॉली पकड़ी, पांच हजार का चालान

काशीपुर : पॉलीथिन युक्त कूड़ा निस्तारण को ले रहे ट्रैक्टर ट्रॉली से कूड़ा सड़क पर बिखरने पर पालिका टीम ने ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक को कड़ी फटकार लगाते हुए पांच हजार का नगद चालान किया है। चेयरमैन गुरजीत सिंह 'गित्ते के दिशा निर्देशन में पालिका टीम ने कार्रवाई करते हुए बेरिया रोड पर पॉलीथिन युक्त कचरे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ी। टीम ने पाया, ट्रॉली क्षतिग्रस्त होने के साथ कूड़ा मार्ग पर गिरता हुआ जा रहा है। इस पर टीम ने ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक को फटकार लगाते उसका पांच रुपये का नगद चालान किया। टीम में लेख-ाकार कैलाश जोशी, अखिल भारतीय सक्सेना, लिपिक संतोष कुमार, सफाई नायक कुन्दन सिंह, मन्नू शर्मा आदि थे। (एजेंसी)

महाविद्यालय में चल रहे विवाद को लेकर क्षेत्रवासियों में आक्रोश, दिया ज्ञापन

अल्मोड़ा। महाविद्यालय गरुड़ाबांज में लगातार हो रहे वाद विवाद के सम्बन्ध में अभिभावक संघ के अध्यक्ष बिशन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी भनोली को ज्ञापन देकर पूरे मामले की जानकारी दी गई। मामले की जानकारी देते हुए अभिभावक संघ अध्यक्ष बिशन सिंह बिष्ट ने कहा कि उपनल द्वारा रखे गए कर्मचारियों तथा प्राध्यापकों के बीच लगातार वाद विवाद सामने आ रहा है। जिस मामले में प्राचार्य को उनके द्वारा लिखित अवगत कराया गया परन्तु प्राचार्य द्वारा एकतरफा कार्यवाही करते हुए उपनल कर्मचारी को दन्या महाविद्यालय में सम्बद्ध कर दिया गया जो कि न्यायसंगत नहीं है। इस पूरे मामले से क्षेत्रवासियों में आक्रोश व्याप्त है। और महाविद्यालय में इस तरह का वातावरण हम सबको यह सोचने पर मजबूर कर देता है कि जिन विद्या के मंदिरों में हम अपने बच्चों को भेज रहे हैं, वहाँ का वातावरण इस तरीके का होना बहुत शर्मनाक है। यहाँ ज्ञापन देने वालों में अभिभावक संघ के अध्यक्ष एवं कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष जागेश्वर बिशन सिंह बिष्ट, यूथ कांग्रेस के पवन सिंह गैड़ा, विप्लव प्रकाश, कांग्रेस बूथ अध्यक्ष गैराड़ नारायण सिंह, कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी दिनेश चंद्र पांडे एवं कमल सिंह शामिल रहे।

जब तक बकाया भुगतान नहीं होगा राशन विक्रेताओं की हड़ताल रहेगी जारी: संजय शाह

अल्मोड़ा। पर्वतीय सस्ता गल्ला विक्रेता संघ के जिलाध्यक्ष संजय शाह ने कहा कि लगभग 13 महीने का राशन बांटने के उपरांत भी और पूर्व में खाद्य सचिव को ज्ञापन प्रेषित करने के उपरांत भी अभी तक विभाग के द्वारा राशन विक्रेताओं का 13 महीने का बकाया पैसा विभाग द्वारा उनके अकाउंट में नहीं डाला गया।

इससे पूर्व में बकाया पैसे के लिए जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया गया था। लगभग एक महीना हो जाने के उपरांत भी अभी तक जिला पूर्ति कार्यालय से लिखित में कोई भी जवाब नहीं दिया गया। जिला पूर्ति अधिकारी के साथ जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला पूर्ति कार्यालय में आहूत की गई। जिसमें जिला पूर्ति अधिकारी के समक्ष बकाए के भुगतान के साथ विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में वार्ता की। इस बकाया पैसे के भुगतान नहीं होने से डीलरों को अपने परिवार की आजीविका चलाने में, दुकान का किराया देने में सहित अन्य विभिन्न खर्चों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार कर्मचारियों को तनख्वाह देती है और वह दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार में बोनस का प्रावधान भी रखती है। वहीं राशन विक्रेताओं द्वारा जो 13 माह से फ्री का राशन बांटा जा रहा है उनके बिलों का भुगतान अभी तक नहीं हुआ है। जिला पूर्ति अधिकारी ने मात्र मौखिक रूप से कहा है कि पांच माह का पैसा आने वाला है। जो कि लिखित में भी नहीं दिया जा रहा है, सिर्फ आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक तेरह माह का बकाया डीलरों के खाते में नहीं आ जाएगा तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय में बैठक में संजय शाह, दिनेश गोयल, केसर सिंह, सुंदर भोज, अभय शाह, दिनेश जोशी, विपिन तिवारी, नारायण सिंह, पंकज नंदा आदि उपस्थित थे।

15 दिन में तुला मात्र 392.80 कुंतल धान

काशीपुर : धान खरीद को स्थापित किए 18 क्रय केंद्रों में से मात्र दो केंद्रों में 15 दिन में मात्र 392.80 कुंतल धान ही तुल पाया। इसमें से भी 90 फीसदी धान यूपी के किसान लेकर पहुंचे। 15 दिन में 18 धान केंद्रों में से दो केंद्रों पर ही धान खरीद हो सकी है। बताया जा रहा है कि किसानों की तहसील से खसरा खतौनी की सत्यापन में दिक्कतें आ रही हैं। इसके चलते तौल केंद्रों में उत्तराखंड के किसानों का धान कम पहुंच रहा है। साथ ही 17 प्रतिशत से अधिक नमी होने से भी तौल में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शिक्षा संकाय में जीवन कौशल एवं समुदाय विकास पर आयोजित वर्कशॉप का शुभारम्भ

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में उन्नत भारत अभियान की ओर से लाईफ स्किल डेवलपमेंट एंड कम्युनिटी आउटरीच पर आयोजित पांच दिवसीय वर्कशॉप का शुभारम्भ मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम में डीन प्रो भीमा मनराल ने कहा कि जीवन कौशल की दक्षता विद्यार्थियों में सामुदायिक भावना का विकास करती है। प्रत्येक व्यक्ति को जीविकोपार्जन के लिए जीवन कौशल की शिक्षा लेनी चाहिए। साथ ही समुदाय से जुड़कर समाज उपयोगी गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर भागीदारी करनी चाहिए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मंगलदीप विद्यालय की प्राध्यापक डॉ लीना चौहान ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के जीवन कौशल पर आधारित शिक्षा के बारे में एमएड प्रशिक्षुओं को विस्तारपूर्वक बताया।

इस दौरान उन्होंने पठन विकार डिस्लेक्सिया, मांसपेशीय विकार डिस्प्रेक्सिया, ऑटिज्म, मेंटल डिसऑर्डर एवं रिटारडेड बालकों की पहचान और जीवन कौशल के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रो एसए हामिद ने जीवन कौशल पर प्रकाश डालते हुए इसमें शिक्षकों की भूमिका को काफी अहम बताया।

उन्होंने कहा कि जीवन कौशल विकास के लिए शिक्षकों की संप्रेषण कौशल में विशेष दक्षता जरूरी है। उन्होंने जीवन कौशल विकास में समुदाय की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान युग में दक्षता आधारित अधिगम की नितांत आवश्यकता है।

अपर सचिव ने चमोली में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के मकसद से अपर सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमनदीप कौर ने जनपद चमोली में विभिन्न चिकित्सा इकाइयों का भ्रमण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपचार हेतु आने वाले मरीजों का तपेदिक रोग की जांच अनिवार्य की जाए।

आयुष्मान भवः अभियान के बारे में सभी ब्लॉकों के प्रभारी चिकित्सकों से जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि गांव के सभी लोगों का आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आभा आईडी कार्ड बनाए जाए। अपर सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने मंगलवार को स्वास्थ्य केंद्र गौचर एवं कर्णप्रयाग में स्थलीय निरीक्षण स्वास्थ्य व्यवस्थाएं परखी। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, आभा आईडी, टीबी मुक्त ग्राम तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति समीक्षा भी की। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव शर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, डॉ. उमा रावत, डॉ. एमएस खाती, डॉ. बीपी सिंह, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक विनय बहुगुणा, गुणवत्ता प्रबंधन खेम सिंह रावत, शिवम जोशी आदि मौजूद थे।

कृष्ण लीला और महादेव की महिमा बताई

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शारदीय नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर तृतीय दिवस भी दैनिक पूजन व विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भागवत कथा में आचार्य विनोद ममगाई ने कृष्ण लीला के बारे मे बताया। पंकज ने महादेव की कृपा की महिमा बताई। जबकि विकास पंत ने देवी की भक्ति के महत्व के बारे में बताया। साथ संस्कृति संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सुंदर माहोल बना रहा। विभिन्न स्थान से आए प्रतिभागी टीमों ने अपनी सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। इस दौरान कांडई, हंस मंडली पौड़ी, लक्ष्मी नारायण मंडली पौड़ी, पोखरी, देवल, शारदा मंडली, चपरोली, ज्वाल्पा कीर्तन मंडली खपरोली, रैवासी आदि की टीमों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मंच संचालक आचार्य नवीन ने बताया कि भुवनेश्वरी परिवार का संस्कृति संरक्षण का जो उद्देश्य है उसके सकरात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं कि लोग अधिक संख्या में प्रतिभा कर रहे हैं। इस मौके पर कार्यक्रम अध्यक्ष नवीन जुयाल, संयोजक अनसुया प्रसाद विद्यालय प्रबंधन राजेंद्र जुयाल, दिगंबर जुयाल, द्वारिका जुयाल व भुवनेश्वरी मंदिर सभा दिल्ली उपासक मंडल देहरादून स्थानीय समिति के सभी पदाधिकारी रहे।

जनकपुरी में हुआ सीता का जन्म

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : रामलीला के दूसरे दिन शिव वंदना ओंकार घना ना ना से शुरू हुई। राजा जनक से प्रजा द्वारा हल चलाने के अनुरोध पर हल चलाते हुए हल के फल का जमीन पर टकराकर सीता जन्म का दृश्य बड़ा सजीव व आकर्षक रहा। कमेटी के अध्यक्ष उमाचरण बड़थ्वाल ने पौड़ी रामलीला के मंचन को देखने के लिए दर्शकों से अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि रामलीला मंचन के दौरान दर्शकों को प्रेरित किया जाएगा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में होने वाली अवैध गतिविधियों व मादक पदार्थों की तस्करी की सूचना पुलिस दें।

रामलीला के पहले दृश्य में जनकपुरी में अकाल पड़ा है, राजा जनक के दरबार में फरियादी आते हैं। गुरुजनों के बताने पर राजा जनक सोने का हल लगाते हैं और धरती से माता सीता का जन्म होता है। राक्षसों द्वारा विश्वामित्र का यज्ञ भंग, विश्वमित्र का दशरथ से राम लक्ष्मण को मांगना, ताड़का वध और भगवान राम द्वारा अहिल्या तारण तक की लीला मंचित की गई। जनक की भूमिका अशुतोष नैथानी, सुनैना सोनम डोभाल, विश्वामित्र गोपाल नेगी, ताड़का नीरज नेगी, सुबाहू शुभम, मारीच अंकित और अहिल्या वैभवी चमोली ने निभाई। ताड़का के लिए नीरज के अभिनय को दर्शको द्वारा काफी सराहा गया। राम की भूमिका में दीपक बिष्ट और लक्ष्मण की भूमिका में राहुल नेगी टप्पू हैं। बेहतरीन दृश्य संयोजन विक्रम गुसाईं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। जबकि मंच व्यवस्था पर नवीन मियां और कुलदीप गुसाईं महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अदिति रावत, आरुषि, वैभवी, परी, मोनिका और सोनिका ने भाव नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। दशरथ की भूमिका में सुदर्शन बिष्ट के लिए पार्श्व गायन मनोज रावत अंजुल, राम के लिए सर्वेंद्र रावत, ताड़का के लिए प्रीति ने किया।

नैनबाग शरदोत्सव 14 नवंबर से

नई टिहरी : नैनबाग में आगामी 14 से 16 नवंबर तीन दिवसीय नैनबाग शरदोत्सव के आयोजन को लेकर राइंका सरदार सिंह रावत में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक हुई। नैनबाग शरदोत्सव समिति की ओर से मंगलवार को आयोजित बैठक में शरदोत्सव को भव्य और सफल पर चर्चा हुई।समिति अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि तीन दिवसीय शरदोत्सव में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के साथ क्षेत्रीय कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होंने समिति पदाधिकारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, समाज सेवियों और युवाओं से शरदोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों में जुट जाने को कहा है।

हिमाचली गायक कुलदीप के गीतों पर झूमे दर्शक

नई टिहरी : 47वें सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले में सांस्कृतिक संध्या पर कोलकाता के मशहूर जादूगर और हिमाचली लोक गायक नाटी किंग ने रंगारंग प्रस्तुति दी। कलाकारों की शानदार प्रस्तुति ने देर रात तक दर्शकों को पंडाल में बांधे रखा।

मां कुंजापुरी एवं पर्यटन विकास मेले की सोमवार रात सांस्कृतिक संध्या में कोलकाता के मशहूर जादूगर सम्राट पाशा की ओर से विभिन्न प्रकार के मैजिक शो दिखाये गये। देर रात हिमाचल के लोक गायक नॉटी किंग कुलदीप शर्मा एंड पार्टी ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर दर्शकों का झूमने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों ने खूब ताली बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। नॉटी किंग ने अपने गानों में धमाका 2023, शिल्पा शिमले वालीये, बडीयां जो तुड़का लाना, घाघरा, दरोगाजी.. गानों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेला समिति अध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार ने मेले में तीसरी बार अपनी प्रस्तुति देने आए लोक गायक कुलदीप शर्मा का आभार जताया। मंगलवार रात सांस्कृतिक संध्या पर विभिन्न स्कूलों की छात्र-छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है। मंगलवार को खेल प्रतियोगिताओं में पीजी कॉलेज ऋषिकेश और यूथ अकादमी दिल्ली के बीच वॉलीबाल में उद्घाटन मैच खेला गया, यूथ अकादमी दिल्ली ने पीजी कॉलेज ऋषिकेश को 2 शून्य से हराकर जीत दर्ज की। इससे पूर्व वालीबॉल प्रतियोगिता का मेलाध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार ने उद्घाटन किया गया। खेल समिति के अध्यक्ष साकेत बिजल्वाण ने बताया कि वालीबॉल के पुरुष वर्ग में 12 टीमें तथा महिला वर्ग में 11 टीमें प्रतिभाग कर रही है। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग के विजेता टीम को 51 हजार, उपविजेता टीम को 21 हजार तथा महिला वर्ग की विजेता टीम को 21 हजार एवं उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये नगद धनराशि के साथ ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, एसडीएम देवेंद्र सिंह नेगी, यशपाल राणा,नरपाल भंडारी, वीर विक्रम रावत, महेश गुसाईं, सूर्य प्रकाश जोशी, रमेश असवाल, संतोष राणा, राजपाल पुंडीर, तहसीलदार अयोध्या प्रसाद उनियाल सहित भारी संख्या में लोगों मौजूद थे। (एजेंसी)

पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर की चर्चा

श्रीनगर गढ़वाल : पूर्व सैनिक एवं जनकल्याण समिति श्रीनगर की बैठक आहुत की गई। इस मौके पर पूर्व सैनिकों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। बैठक में समिति की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिसमें सुरेंद्र सिंह नेगी संरक्षक, दिनेश सिंह पटवाल अध्यक्ष, सकोप सिंह पवांर व दिवान सिंह नेगी को उपाध्यक्ष, जितेंद्र धिरवाण सचिव, हर्षवर्धन नेगी सह सचिव, सत्या सिंह तड़ियाल कोषाध्यक्ष, धर्म सिंह पंवार मीडिया प्रभारी, प्रेम सिंह रावत, मेहरबान सिंह रावत, गिरीश चंद्र ढौंडियाल, गोविंद सिंह बिष्ट को मंत्री नियुक्त किया गया।

मंदिरों में उमड़ रही भक्तों की भीड़

रूद्रप्रयाग : शारदीय नवरात्र के मौके पर मां के मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। सिद्धपीठ धारी देवी के साथ ही कालीमठ, मठियाणाखाल, जसोली स्थित हरियाली देवी एवं संगम में चामुंडा देवी मंदिर में विशेष पूजाएं की जा रही है। बड़ी संख्या में भक्त इन प्रमुख मंदिरों में मां के दर्शन कर आशीर्वाद ले रहे हैं। नवरात्र को लेकर चारों तरफ भक्ति का माहौल देखा जा रहा है। लोग अपने अपने घरों में हरियाली रोपण के साथ पूजा अर्चना में लीन है। हर तरह से मां की अराधना की जा रही है। तीसरे नवरात्र के दिन मां चन्द्रघटा की पूजा की गई। मंदिरों में भजन कीर्तन हो रहे हैं। रुद्रप्रयाग सहित तिलवाड़ा, मयाली, जखोली, अगस्त्यमुनि, भीरी, चन्द्रापुरी, ऊखीमठ, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, फाटा, रामपुर, सीतापुर, सोनप्रयाग, गौरीकुंड, केदारनाथ, नगरासू, सतेराखाल, चोपता, खांकरा, नरकोटा आदि अनेक स्थानों पर नवरात्र को लेकर काफी चहल पहल है। सार्वजनिक मंदिरों के अलावा घरों में भी देवी पूजन के लिए नवरात्र पाठ बैठाया गया है जहां ब्राह्मणों द्वारा विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। (एजेंसी)

भाजपा सरकार ने किसानों को हमेशा ठगा है: हरीश रावत

ऋषिकेश। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि महिला आरक्षण बिल कांग्रेस राज में ही प्रस्तावित था। सरकार को इसे आगामी लोकसभा चुनाव में ही लागू करना चाहिए। साथ ही ओबीसी के लिए भी आरक्षण तय कर आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें भी टिकट दिए जाएं। मंगलवार को भानियावाला स्थिज दून जायका रेस्टोरेंट में पूर्व सीएम हरीश रावत ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को ठगने का कार्य कर रही है। डोईवाला चीनी मिल को बंद कर इंटीग्रेटेड सिटी बनाए जाने का प्रावधान प्रदेश सरकार समय को अनुकूल समझकर कर ही देगी। जिससे डोईवाला क्षेत्र के गन्ना किसानों को भारी नुकसान होगा। सूर्याधर बांध में नेताओं और अधिकारियों ने बंदर बांट की है। यह योजना सूर्याधर बांध नहीं बंटाधार योजना है। रानी पोखरी में लॉ यूनिवर्सिटी की घोषणा के बाद शिलान्यास किया गया था, अब इस यूनिवर्सिटी को सरकार दूसरी जगह स्थानांतरित कर रही है। जिसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नकरौंदा में मानकों के विरुद्ध बनाए जा रहे एसटीपी प्लांट का विरोध करते हुए कहा कि इसको नहीं हटाया गया तो लंबा संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रुड़की से किसान सम्मान यात्रा शुरू हो चुकी है, जो इस माह के अंत में डोईवाला पहुंचेगी। कांग्रेस किसानों के हितों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी और किसी भी कीमत पर किसानों के साथ सरकार को छल नहीं करने देगी। पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, डोईवाला नगर अध्यक्ष करतार सिंह नेगी, डोईवाला सहकारी गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष मनोज नौटियाल, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष ईश्वर चंद्रपाल, अब्दुल रजाक, संयुक्त किसान मोर्चा के अध्यक्ष ताजेंद्र सिंह, इंद्रजीत सिंह, सागर मनवाल, लक्ष्मण सिंह बिष्ट, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सुमित कुमार, नरेंद्र चौहान, पूर्णानंद तिवारी, मुकेश प्रसाद, पूर्व दायित्वधारी अनिल सैनी, शुभम काबोज, रणजोध सिंह आदि मौजूद थे

अलकनंदा न्यू महिला छात्रावास खोलने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : आर्यन छात्र संगठन की ओर से गढ़वाल विवि के मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो. दीपक कुमार से छात्रावासी छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान निवर्तमान छात्र संघ सचिव सम्राट राणा, पूर्व सचिव देवकांत देवराड़ी, प्रदीप सिंह रावत एवं आकाश रतूड़ी ने कहा कि लॉ छात्रावासों की कई कमरों की स्थिति जर्जर बनी हुई है, सीलन होने से छात्रों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा जब तक छात्रावासों की स्थिति सुधर नहीं जाती है तब तक उनके लिए अन्य वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने महिला छात्रावासों में टाइमिंग 9 बजे तक किए जाने, अलकनंदा न्यू महिला छात्रावास को जल्द से जल्द खोले जाने की मांग भी की।

एम्स में किड़नी ट्रांसप्लांट कर बचाई रोगी की जान

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश के चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट कर एक ऐसे व्यक्ति का जीवन बचाया है, जिसका हेमोडायलिसिस फेल हो चुका था। वह क्षय रोग की बीमारी से जूझ रहा था। गुर्दा प्रत्यारोपण के इस नए मामले में बेटे का जीवन बचाने के लिए मां ने ही बेटे को अपनी किडनी दान दी है। एम्स में किडनी ट्रांसप्लांट का यह दूसरा मामला है, जो पूरी तरह से सफल रहा। एम्स के यूरोलॉजिस्ट और यूरोलॉजी विभाग के हेड डॉ. अंकुर मित्तल ने बताया कि मूलरूप से दिल्ली के नंगला गांव का रहने वाला 32 वर्षीय सचिन वर्तमान में देहरादून स्थित सीमा सड़क संगठन कार्यालय में तैनात है। पिछले 3 वर्षों से किडनी की समस्या से परेशान सचिन का लंबे समय से डायलिसिस चल रहा था। रोगी ने मई 2022 में एम्स के नेफ्रोलॉजी विभाग से संपर्क किया। नेफ्रोलॉजी विभाग की डॉ. शेरोन कंडारी ने रोगी का पहले 4 महीने तक क्षय रोग का इलाज किया। हालांकि इस दौरान उसका डायलिसिस भी जारी था। समस्या तब ज्यादा गंभीर हो गई, जब रोगी का शरीर कमजोर होने के कारण हेमोडालिसिस करने में दिक्कत आ गई। मरीज के स्वास्थ्य की स्थिति सामान्य होने पर दिल्ली से आई विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के मार्गदर्शन में 16 सितंबर को पेशेंट सचिन के शरीर में गुर्दा प्रत्यारोपित कर दिया गया। इस प्रक्रिया में लगभग 4 घंटे का समय लगा। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने गुर्दा प्रत्यारोपण करने वाले डॉक्टरों की टीम को बधाई दी। सर्जरी टीम में एम्स दिल्ली की ट्रांसप्लांट टीम के प्रो. वीरेन्द्र कुमार बंसल, प्रो. संदीप महाजन, प्रो. लोकेश कश्यप, डॉ. असुरी कृष्णा, डॉ. ओम प्रकाश प्रजापति व डॉ. साई कौस्तुभ, एम्स यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल, डॉ. विकास पंवार और डॉ. पीयूष गुप्ता, डॉ. कर्मवीर, नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव शेखर, डॉ. शेरोन कण्डारी, डॉ.

कॉलेजों में लगी सैनिट्री पैड वेंडिंग मशीनें

नई टिहरी : राजकीय महाविद्यालय देवप्रयाग में आईक्यूएसी सेल एवं महिला प्रकोष्ठ की ओर से प्राचार्य प्रो. प्रीति कुमारी की अध्यक्षता में छात्राओं के हित में कार्यशाला आयोजित की गई। आंगनबाड़ी केंद्र कृष्णचौरी देवप्रयाग की कार्यकर्ता सुमति देवी ने महाविद्यालय की छात्राओं को मासिक चक्र के समय स्वच्छ सैनिटरी पैड के साथ स्वच्छता की जानकारी दी। महाविद्यालय में सैनिट्री पैड वेंडिंग मशीन भी लगाई गई। बताया मशीन में 5 रुपये के सिक्का डालने पर दो सैनेट्री पैड प्राप्त होंगे। प्राचार्य ने छात्राओं से बिना संकोच के सैनिट्री पैड का लाभ उठाने को भी कहा। उधर नई टिहरी पीजी कॉलेज में महिला उत्पीड़न निवारण समिति की ओर से महिला स्वास्थ्य एवं हाइजीन विषय कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की कर्मचारियों ने छात्राओं के लिये महाविद्यालय में 2 सैनेट्री पैड वेंडिंग मशीन लगाई। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की ओर से छात्राओं को सैनेट्री पैड वैडिंग मशीन के इंस्टालेशन की जानकारी दी गई। समिति सदस्य डॉ. आरती खंडूरी ने कार्यशाला में महिलाओं के स्वास्थ एवं अधिकारों की जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी, पूजा भंडारी, डॉ. मैत्रीय थपलियाल, डॉ. अर्चना धपवाल, डॉ. शीतल, डॉ. अंकिता बोरा, डॉ. हेमलता बिष्ट, डॉ. कामिनी पुरोहित, डॉ. पारुल रतूड़ी, डॉ. रंजू उनियाल, डॉ. सृजना राणा आदि उपस्थित थे। (एजेंसी)

आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : आदिति पैलेस में माता मंगला के जन्मदिन के अवसर पर आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मातृ शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर आदिति स्मृति न्यास के गिरीश पैन्यूली ने कहा कि माता मंगला की ओर से समाज हित के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं। कहा कि असहाय लोगों की मदद के लिए वह हमेशा आगे रहती हैं। जिसका लाभ जरूरतमंद लोगों को मिल रहा है। कहा समाज हित के लिए उनकी ओर से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

हित मिस्टर और आरोही शर्मा मिस फ्रेशर बनी

ऋषिकेश। हिमालयन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एचएसएमएस) जौलीग्रांट में फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया।

बीकॉम के मोहित यादव मिस्टर व आरोही शर्मा मिस फ्रेशर चुनी गईं।

उत्तराखंड बोर्ड के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया

ऋषिकेश। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास विकास में सम्मान समारोह हुआ। समारोह में बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में अव्वल रहने वाले छात्रों सहित कुल 20 मेधावियों को सहयोग राशि के चेक वितरित किए गए। मंगलवार को आवास विकास स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। मुख्य अतिथि एमसीईआरटी उत्तराखंड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. आरडी शर्मा, एम्स ऋषिकेश के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी ने विद्यालय के प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को सहयोग राशि के चेक देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य उमाकांत पंत ने कहा कि उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा में प्रदेश की वरीयता सूची में आने वाले आयुष रावत को 11,000 रुपये, आशना सकलानी और सोमेश को 5100 रुपये के चेक दिए गए हैं। इसके अलावा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 17 मेधावियों को 2100–2100 रुपये के चेक वितरित किए गए हैं। मौके पर मिताली मुखर्जी, डॉ. एनके अग्रवाल, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अनिल मित्तल, सुशील अग्रवाल, डॉ.अशोक पांडेय, राम गोपाल रतूड़ी, गिरीश शर्मा, मदनलाल वालिया, अशोक पांडेय, समर बहादुर चौहान, राजेंद्र प्रसाद पांडेय, हेमंत गुप्ता, मनोज रौतेला, नरेंद्र खुराना, नंद किशोर भट्ट, आरती बडोनी, कर्णपाल बिष्ट, सतीश चौहान, रजनी गर्ग, मनोज पंत आदि उपस्थित रहे।

देहरादून में एसएफए चैम्पियनशिप्स के आठवें दिन योगासन, फुटबॉल और कबड्डी फाइनल्स में दिखा रोमांचक प्रदर्शन

चैम्पियनशिप्स के आठवें दिन योगासन की शुरूआत और कबड्डी फाइनल्स ने दर्शकों को जोश से भर दिया

देहरादून। देहरादून में एसएफए चैम्पियनशिप्स के आठवें दिन एथलीट्स के प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। योगासन की शुरूआत, कबड्डी फाइनल्स के बीच फुटबॉल मैच भी रोमांच के साथ आगे बढ़े, कुल मिलाकर आज के दिन मैदान पर ज़बरदस्त खेल भावना और उत्कृष्टता देखने को मिली। दिन की शुरूआत पहली योगासन प्रतियोगिता के साथ हुई, इस प्रतियोगिता में अंडर–14 से लेकर अंडर–19 गर्ल्स तथा अंडर–14 एवं अंडर–17 ब्वॉयज़ ने अपनी प्रत्यास्थता, संतुलन और क्षमता का प्रदर्शन किया। पहले दिन 53 प्रतिभागियों के साथ योगासन ने एसएफए चैम्पियनशिप्स में नई शुरूआत की, प्रतिभागियों ने प्रतिस्पर्धी जोश के बीच भीतरी शांति को प्रोत्साहित किया।अंडर–14 और अंडर–17 गर्ल्स योगासन कैटेगरी की प्रतिभागियों तनिष्का और अविशी ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''एसएफए चैम्पियनशिप्स बेहद मज़ेदार थीं! हमें योग करना बहुत अच्छा लगा, इवेंट में सभी चीज़ें आकर्षक थीं। यह युवाओं के लिए बेहतरीन अनुभव है, हमें लगता है कि हर किसी को इसमें हिस्सा लेना चाहिए। वहीं कबड्डी फाइनल्स की बात करें तो अंडर–19 और अंडर–17 कैटेगरी में एथलीट्स ने अपनी ज़बरदस्त क्षमता और मजबूत इरादे का प्रदर्शन किया। कबड्डी के रोमांचक मैचों ने दर्शकों को बांधे रखा। कबड्डी के अंडर–19 मैच की बात करें तो आचार्यकुलम और गुरूनानक मिशन पब्लिक स्कूल के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। वहीं अंडर–17 में केवी नंबर 2 और आचार्यकुलम के बीच गोल्ड के लिए मुकाबला हुआ। फुटबॉल मैचों ने भी दर्शकों को लुभाना जारी रखा, महाराणा प्रताप कॉलेज ने अंडर–12 ब्वॉयज़ कैटेगरी में गोल्ड के साथ जीत हासिल की। अंडर–10 ब्वॉयज़ कैटेगरी में आर्मी पब्लिक स्कूल ने अपनी प्रतिभा और बेजोड़ टीमवर्क दर्शाते हुए जीत हासिल की। देहरादून में एसएफए चैम्पियनशिप्स के आगे बढ़ने के साथ यह युवा एथलीट्स को कौशल एवं खेल भावना की नई उंचाईयों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। ये चैम्पियनशिप्स युवाओं को उनकी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए उत्कृष्ट मंच उपलब्ध कराती हैं, खेलों के प्रति लगाव बढ़ाकर एथलेटिक्स की दुनिया में उत्कृष्ट भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती हैं। एथलीट्स पोडियम पॉज़िशन हासिल करने और अपने स्कूलों को लीडरबोर्ड पर टॉप पर लाने के लिए अपने दृढ़ इरादेका प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं, यह चैम्पियनशिप देहरादून में सभी एथलीट्स को प्रोत्साहित कर रही है। देहरादून में 'स्पोर्ट्स में नंबर 1 स्कूल' की घोषणा में सिर्फ 3 दिन बाकी हैं!'' चैम्पियनशिप में रोज़ाना की समयसूची, हर खेल प्रतियोगिता के विस्तृत परिणाम हमारी आधिकारिक वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	205-DRM-MB-23-24 dt. 16.10.2023		
Name of work	CTR(P) of 1.81 km and Remodeling of RG Yard in connection with EI under ADEN/CH in MB division.		
Advertised Value (Rs.) : Rs. 1,37,48,619.25		Earnest Money (Rs.) : Rs. 2,18,800.00	
Tender No. Date	102-DRM-MB-23-24 dt. 16.10.2023		
Name of work	CTR work of 3.03 Km (MB-KPV) in the jurisdiction of SSE/PW/MB under ADEN/HQ. DE 132/2023		
Advertised Value (Rs.) : Rs. 1,16,04,628.80		Earnest Money (Rs.) : Rs. 20,80,00.00	
Tender Closing Date Time	09.11.2023		
Bidding Start Date	26.10.2023		
Period of Completion	6 Month		

पत्रांक –75-W/2/3/WA/Publication दिनांक-16.10.2023 3225/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सम्पादकीय

साइबर थानों का प्रस्ताव

साइबर अपराध के बढ़ रहे वर्चस्व के बाद सामान्य थानों की भांति ही साइबर थानों की जरूरत भी नजर आने लगी है। वर्तमान थानों की पुलिस के पास पहले से ही विवेचनाओं का अंबार लगा है लिहाजा इन हालातो में साइबर क्राइम से जुड़े मामलों की विवेचना करने के लिए एक अलग व्यवस्था बनाए जाने की जरूरत अब नजर आने लगी है। वैसे भी इंटरनेट से जुड़े अपराधों से लड़ने के लिए एक अलग तकनीक एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है, जिसमें बल एवं मारपीट से ज्यादा तकनीकी कौशल की अधिक जरूरत होती है। साइबर क्राइम के बढ़ते हुए क्षेत्र के बाद उत्तराखंड पुलिस ने साइबर थानों की अलग से व्यवस्था बनाने की तैयारी कर ली है। उम्मीद है कि जल्द ही उत्तराखंड के सभी जिलों में एक-एक साइबर थाना वजूद में आएगा जिसके लिए पुलिस मुख्यालय स्तर पर शासन को प्रस्ताव जल्द ही भेजा जाएगा। संभावना यही है की सरकार के स्तर पर भी साइबर थाने की स्थापना को लेकर मंजूरी मिल जाएगी और साइबर क्राइम से जुड़े मामलों को लेकर व्यापक तौर पर विवेचनाओं का दौर शुरू होगा। यही नहीं साइबर थाने जहां एक और साइबर क्राइम के प्रकरण को लेकर जांच और खुलासे करेंगे, वही साइबर क्राइम से बचने के टिप्स भी आम जनता को उपलब्ध कराएंगे। वर्तमान दौर में सोशल मीडिया का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ साइबर क्राइम के मामले भी बेहद तेजी के साथ बड़े हैं। उत्तराखंड में अभी साइबर क्राइम को लेकर अलग स्थानों की व्यवस्था नहीं है एक आध जनपदों को छोड़ दे तो शेष जनपदों का कार्यभार भी देहरादून साइबर थाने के जिम्मे ही आता है। यही कारण है कि अब पूरे प्रदेश में एक-एक साइबर थाना खोलना बेहद आवश्यक हो गया है और इसी जरूर को भांपते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। साइबर क्राइम से जुड़े मामलों को लेकर वर्तमान में उत्तराखंड एसटीएफ और देहरादून का साइबर थाना जैसे तैसे कुछ मामलों का खुलासा करने में कामयाब रहा है लेकिन जिस प्रकार से साइबर अपराध का आंकड़ा उत्तराखंड पुलिस की फाइलों में बढ़ रहा है वह एक चिंता का विषय है। साइबर क्राइम से बचने के लिए समय-समय पर आम जनता को जागरूक करने का प्रयास विभिन्न एजेंसियों के द्वारा किया जाता रहा है लेकिन इसके बावजूद भी साइबर अपराध की गिरफ्त में आने से लोग बच नहीं पाते। जब तक साइबर अपराधियों को पकड़े जाने का भय नहीं रहेगा तब तक वह इंटरनेट के माध्यम से लोगों को ठगने व अपना शिकार बनाने का काम बेखौफ करते रहेंगे। यही कारण है कि साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों को लेकर एक अलग व्यवस्था तैयार की जाए जो नियमित पुलिस से अलग हो तथा साइबर पुलिस का कार्य केवल साइबर अपराध से जुड़े प्रकरणों की विवेचना से जुड़ा हुआ हो।

इजराइल के विवेक की परीक्षा !

दुनिया भी अब इजाइल से कह रही है कि वह थोड़ी मानवता दिखाए। मिस्र से विनती की जा रही है कि वह अपनी सीमाएं गाजा के लोगों के लिए खोले। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि प्रजातंत्रों को न्यूनतम मानकों का पालन करना चाहिए।लौकतांत्रिक देश आतंकियों के घिनौने और घटिया स्तर तक नहीं गिर सकते। अमरीकी लेखक और बुद्धिजीवी इजराइल को चेतावनी दे रहे हैं कि वह वही गलती न करे जो "हमने 9/11 के बाद की थी"। 9/11 के बाद दुनिया में और बर्बादी आई, असुरक्षा भाव और बढ़ा, और बड़ी संख्या में लोग कट्टरपंथी बने और हिंसा का अनवरत सिलसिला चल पड़ा।वैसा ही नतीजा कही 10/7 का भी न हो। आतंकवाद का मुकाबला दृढ़ता से किया जाना चाहिए परंतु इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून को तिलांजलि नहीं दी जा सकती।

श्रुति व्यास

क्या गाजा में रह रहे फिलिस्तीनियों को वहां की जमीन खाली करने लिए 24 घंटे की जो डेडलाईन दी गई थी वह समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दक्षिण इजराइल में बड़ी संख्या में मौजूद सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा है कि ''अगला चरण शुरू होने वाला है"। इससे पहले इजरायली सुरक्षा बल (आईडीएफ) के एक प्रवक्ता ने 12 अक्टूबर को कहा कि ''गाजा में जो होने वाला है उसे देखना मुश्किल होगा" सवाल है गाजा पट्टी को खाली करवाकर इजराइल, क्या हमास के खिलाफ युद्ध जीत सकता है?

फिलहाल पूरी दुनिया की निगाह गाजा पट्टी पर है। दुनिया जहां मौतों की सुनामी के लिए तैयार हो रही है वही इजराइल को यह समझाने का प्रयास भी हो रहा हैं कि वह जो करने जा रहा है उसके नतीजे प्रलयकारी होंगे। इससे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह का रोष और गुस्सा पनपेगा उससे इजराइल और मध्यपूर्व हमेशा के लिए बदल जाएंगे।

इजराइल ने घोषणा की है कि वह धरती से हमास का नामोनिशां मिटा देगा। इजराइल का गुस्सा जायज है। पिछले हफ्ते जो हुआ वह बर्बर था और उसने होलोकास्ट की भयावह यादें ताजा कर दीं। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि हमास एक आतंकी संगठन है जो युवाओं के दिमाग में ज़हर भरता है, और उन्हें ईरान से हथियार और प्रशिक्षण उपलब्ध करवाता है। फिर उन्हें खूनखराबा करने के लिए खुला छोड़ देता है। हमास के आतंकी केवल घृणा के हकदार हैं और उनकी हरकतों को किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। हमास के हमले का इजराइल को जरा सा भी अंदेशा नहीं था। यह उसके गुप्तचर तंत्र की बड़ी विफलता थी।तभी इजराइल सदमे में है। वहां के लोगों के दुःख की कोई सीमा नहीं है। वे अपमानित महसूस कर रहे हैं, गुस्से से उबल रहे हैं और आपसी मतभेद भुलाकर एकसाथ लडने के लिए तैयार हैं। बीबी (नेतन्याहू) गाजा को बदल डालना चाहते हैं ताकि आतंकी फिर कभी इजराइल के लोगों के लिए खतरा न बन सकें।

परंतु आंख के बदले आंख क्या सबको अंधा नहीं बना देगी?

गाजा के 23 लाख रहवासियों को सजा दी जा रही है। उन्हें हर तरह से पंगु बनाकर मरने के लिए छोड़ दिया गया है। पिछले 10 दिनों से गाजा पट्टी में न तो पानी पहुँच रहा है, न बिजली, न ईधन, न खाद्य सामग्री और ना ही दवाएं। गाजा पट्टी की सभी सीमाएं सील हैं। गाजा से शरणार्थियों के सामूहिक रूप से मिस्र में आने के राजनैतिक परिणामों और सुरक्षा संबंधी जोखिमों से मिस्र वाकिफ है। उसने चेतावनी दी है कि यदि गाजा के लोग किसी दूसरे देश में गए तो यह उनका अपना अलग देश पाने के सपने का अंत होगा। डॉक्टरों की एक मानवतावादी संस्था ने इजराइल पर आरोप लगाया है कि गाजा की सीमाएं पूरी तरह सील कर, वहां अंधाधुंध बमवर्षा कर और जमीनी हमले का डर दिखाकर इजराइल फिलीस्तीनियों को सामूहिक सजा दे रहा है, जो पूरी तरह से गैर-कानूनी है।

दुनिया भी अब इजाइल से कह रही है कि वह थोड़ी मानवता दिखाए। मिस्र से विनती की जा रही है कि वह अपनी सीमाएं गाजा के लोगों के लिए खोले। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि प्रजातंत्रों को न्यूनतम मानकों का पालन करना चाहिए।लौकतांत्रिक देश आतंकियों के घिनौने और घटिया स्तर तक नहीं गिर सकते। अमरीकी लेखक और बुद्धिजीवी इजराइल को चेतावनी दे रहे हैं कि वह वही गलती न करे जो "हमने 9/11 के बाद की थी"। 9/11 के बाद दुनिया में और बर्बादी आई, असुरक्षा भाव और बढ़ा, और बड़ी संख्या में लोग कट्टरपंथी बने और हिंसा का अनवरत सिलसिला चल पड़ा।वैसा ही नतीजा कही 10/7 का भी न हो।आतंकवाद का मुकाबला दृढ़ता से किया जाना चाहिए परंतु इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून को तिलांजलि नहीं दी जा सकती। गाजा से लाखों लोगों को बाहर धकेलकर वहां इजराइल की फौज को भेजने से न तो शांति सुनिश्चित होगी और ना ही सुरक्षा। बल्कि इजराइल की बदले की इस कार्यवाही से और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी युवा हमास और हिज्बुल्ला की गोद में बैठ जाएंगे। इजराइल को यह समझना चाहिए कि फिलिस्तीन के सभी नागरिकों को सामूहिक रूप से सजा देकर वह कभी अपने आप को सुरक्षित नहीं बना सकेगा। बल्कि इसके कारण वेस्ट बैंक, अरब देशों और दुनिया के दूसरे हिस्सों में फिलिस्तीनियों के अधिकारों के पक्ष में आवाज तेज होगी।

हो सकता है कि सैनिक ताकत से इजराइल गाजा में 'एक नया यथार्थ' निर्मित कर दे। परंतु अंततः इससे इजराइल की एकता और उसके लोगों में भाईचारा प्रभावित होगा। इसके अलावा दुनिया के दूसरे हिस्सों में रह रहें यहूदियों के लिए भी खतरा पैदा हो जाएगा। पूरी दुनिया में यहूदियों के खिलाफ हिंसक घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है। निसंदेह यह शर्मनाक है और इससे ऐसा वातावरण बन रहा है मानो एक विश्वव्यापी संकट शुरू होने वाला है।

इजराइल के घटनाक्रम को एक सप्ताह बीत चुका है और सब चाह रहे है कि अगला कदम सोच-समझकर ही उठाए। इसमें कोई संदेह नहीं कि हमास को कमजोर करना जरूरी है।पर हमास की हार आज नहीं तो कल हो ही जाएगी।जबकि बड़े पैमाने पर शुरू हुयआ आतंकवाद के खिलाफ युद्ध लंबा, जटिल और अप्रिय होगा।ऐसी उम्मीद है कि इजराइल पूरी दुनिया से उसे मिल रहे समर्थन और सहानुभूति को खोने की राह पर नहीं चलेगा। ज्योंहि गाजा में बड़ी संख्या में नागरिकों की मौतों की खबरें आना शुरू होंगी, इजराइल के प्रति सहानुभूति और सद्भाव पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। अगर इजराइल को ऐसा लगता है कि गाजा में मौतों से उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा तो वह गलत सोच रहा है।

उम्मीदवार तय करने का अनोखा तरीका

हरिशंकर व्यास

भारतीय जनता पार्टी ने इस बार अभी तक डेढ़ दर्जन सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा है। राजस्थान में सात सांसदों को टिकट दी गई है तो मध्य प्रदेश में भी सात सांसद चुनाव मैदान में उतारे गए हैं। छत्तीसगढ़ में पार्टी ने चार सांसदों को टिकट दी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश में अभी और सांसदों को टिकट मिलेगी और तेलंगाना में भी पार्टी अपने चार में से कुछ सांसदों को चुनाव में उतार सकती है। पार्टी केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा के चुनाव लड़ा रही है।

किसी को अंदाजा नहीं है कि सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ाने के पीछे की रणनीति क्या है? यह फैसला किस आधार पर हुआ? आमतौर पर राज्यों में उम्मीदवारों के नाम पर शुरुआती विचार होता है। राज्य की चुनाव समिति हर सीट के लिए संभावित उम्मीदवारों की सूची देख कर उसमें से छंटनी करती है और दो या तीन नाम हर सीट पर तय करके दिल्ली आती है, जहां केंद्रीय चुनाव समिति में उसमें से किसी एक नाम पर फैसला होता है। कुछ सीटों पर यदि सिंगल नाम हैं तो वहां फैसला करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। लेकिन इस बार ऐसी कोई कवायद नहीं हुई। प्रदेश कमेटी के नेताओं को तो हवा तक नहीं लगी कि कहां से कौन सांसद चुनाव में उतारा जा रहा है? यहां तक कि जिन बड़े नेताओं को टिकट दी गई उनको खुद को भी अंदाजा नहीं था कि उन्हें लडने के लिए कहा जाएगा। हालांकि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि उनको पहले बताया गया था लेकिन हकीकत यह है कि नाम की घोषणा होने के 15 दिन तक वे अपने लोकसभा क्षेत्र नहीं गए, जहां से उनको चुनाव लडना है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने टिकट का ऐसा सस्पेंस बनाया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक को कुछ अंदाजा नहीं लगा। उनका अपना नाम चौथी सूची में जारी हुआ। राजस्थान में भी जब राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी जैसे सांसदों के नाम घोषित हुए तो वह सबके लिए चौंकाने वाली घोषणा थी। पार्टी के दिग्गज नेताओं की टिकट काट कर इनको उम्मीदवार बनाया गया। वसुंधरा राजे को कोई अंदाजा नहीं था कि किसकी टिकट कट रही है और किसको मिल रही है। उनके करीबी नेताओं युनूस खान, नरपत सिंह राजवी, राजपाल सिंह शेखावत, अनिता सिंह आदि के टिकट कटे है या कटने वाले है।

पार्टी के शीर्ष नेताओं ने टिकट का ऐसा सस्पेंस बनाया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक को कुछ अंदाजा नहीं लगा। उनका अपना नाम चौथी सूची में जारी हुआ। राजस्थान में भी जब राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दीया कुमारी जैसे सांसदों के नाम घोषित हुए तो वह सबके लिए चौंकाने वाली घोषणा थी। पार्टी के दिग्गज नेताओं की टिकट काट कर इनको उम्मीदवार बनाया गया। वसुंधरा राजे को कोई अंदाजा नहीं था कि किसकी टिकट कट रही है और किसको मिल रही है। उनके करीबी नेताओं युनूस खान, नरपत सिंह राजवी, राजपाल सिंह शेखावत, अनिता सिंह आदि के टिकट कटे है या कटने वाले है।

आमतौर पर भाजपा में हर सीट पर कई बार सर्वेक्षण कराया जाता है। जिला व प्रदेश संगठनसे भी फीडबैक ली जाती है। उसके ऊपर से राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की फीडबैक होती है और तब टिकट तय होते है। इस प्रक्रिया में सबको पता होता है कि कहां से किसका नाम सूची में है और किसे टिकट मिल सकती है। लेकिन इस बार भाजपा ने सब कुछ उलटा पुलटा कर दिया। किसी को अंदाजा ही नहीं हुआ कि कहां से किसका नाम तय हो रहा है। चुनाव की घोषणा से कई हफ्ते पहले ही टिकटों की घोषणा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि मोदी और शाह ने यह सोच कर टिकट बांटी है कि जब चुनाव उनको ही लडना है तो फिर किसी को भी उम्मीदवार बनाए क्या फर्क पड़ता है। अगर ऐसा है तो यह बड़ा रणनीतिक बदलाव है और अगर यह सफल हुआ तो अगले साल के लोकसभा चुनाव में भी यह प्रयोग देखने को मिल सकता है।

कैसे होगी देश की रक्षा?

यह निर्विवाद है कि देश की रक्षा से जुड़े मसलों को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। मगर यह अपेक्षा उचित नहीं है कि सुरक्षा व्यवस्था को क्या दिशा और स्वरूप दिया जा रहा है, इस पर देश में कोई चर्चा ही नहीं हो।

जम्मू-कश्मीर में तैनात एक अग्निवीर की मौत ने देश की सुरक्षा के प्रति अपनाए जा रहे कैजुएल नजरिए को बेनकाब कर दिया है। हालांकि सेना ने इस बारे में उठाए जा रहे सवालों को दुर्भाग्यपूर्ण कहा है, लेकिन जो प्रश्न उठे हैं, उन्हें सिरे से खारिज नही किया जा सकता। सेना ने बताया है कि पंजाब निवासी अग्निवीर अमृतपाल सिंह की राजौरी सेक्टर में ड्यूटी के दौरान अपने ही बंदूक की गोली लग जाने से मौत हो गई। विवाद इसको लेकर उठा कि अमृतपाल सिंह की अंत्येष्टि उस राजकीय सम्मान के साथ नही हुई, जो आम तौर पर ड्यूटी पर तैनात सैनिकों की मृत्यु होने के बाद उन्हें दी जाती है। अग्निवीरों को वेतन-भत्ते के साथ-साथ ड्यूटी पर मौत के बाद दी जाने वाली सुविधाएं स्थायी सैनिकों से नहीं हैं, यह बात तो पहले से विवादित रही है। यह निर्विवाद है कि देश की रक्षा से जुड़े मसलों को राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। बहरहाल, यह अपेक्षा उचित नहीं है कि आधुनिक चुनौतियों के बीच देश की सुरक्षा व्यवस्था को क्या दिशा और स्वरूप दिया जा रहा है, इस पर देश में कोई चर्चा नहीं हो।

अग्निवीरों की नियुक्ति एक तरह से राष्ट्रीय सुरक्षा के अस्थायीकरण की सोच के तहत हो रही है। ऐसा उस दौर में हो रहा है, जब पड़ोसी चीन युद्ध को परंपरागत दायरों के साथ-साथ साइबर, अंतरिक्ष और इलेक्ट्रॉमैग्निटिक जैसे नए दायरों मे लडने की तैयारी कर रहा है।

साथ ही वह अपनी सैन्य व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटिक्स का इस्तेमाल करने लगा है। ऐसी खबरें भी हैं कि चीन और पाकिस्तान सैन्य तैयारियों के क्षेत्र में तालमेल बढ़ा रहे हैं। उस स्थिति में भारत अपनी रक्षा व्यवस्था में उन लोगों को जिम्मेदारी दे रहा है, जिनकी नियुक्ति सिर्फ चार साल के लिए हो रही है और जिन्हें एवं जिनके परिजनों वैसी सामाजिक सुरक्षा का आश्वासन नहीं है, जो स्थायी सैनिकों को मिलता है। इसलिए इस सोच पर सवाल उठेंगे। बेहतर होगा कि सरकार इस बारे में देश को भरोसे में ले, ताकि वैसे विवाद से बचा जा सके, जो अमृतपाल सिंह की मौत के बाद खड़ा हुआ है।

विपक्षी उम्मीदवारों की पहली सूची तैयार

समाजवादी पार्टी ने अगले लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन के संभावित उम्मीदवारों की पहली सूची तैयार कर ली है। इसमें परिवार की पारंपरिक चार या पांच सीटें हैं। इन सीटों के अलावा सात या आठ सीटों पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के उम्मीदवारों की घोषणा अगले कुछ दिन में हो सकती है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सीटें भी हैं, जहां जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल विपक्ष के गठबंधन में है और पूर्वी उत्तर प्रदेश की सीटें भी हैं, जहां कृष्णा पटेल की अपना दल कमेरावादी भी 'इंडिया' का हिस्सा है। परिवार की पारंपरिक सीटों- आजमगढ़, कन्नौज, मैनपुरी, बदायूं और फिरोजाबाद के अलावा जिन सीटों पर सपा के उम्मीदवार तय हो जाने की बात कही जा रही है उनमें लखनऊकी सीट भी है। इस सीट से भाजपा के दिग्गज राजनाथ सिंह सांसद हैं।

पिछली बार समाजवादी पार्टी ने शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को लड़ाया था और कांग्रेस से आचार्य प्रमोद कृष्णम लड़े थे। दोनों का साझा वोट 42 फीसदी था, जबकि राजनाथ सिंह को 57 फीसदी के करीब वोट मिले थे।

बहरहाल, कहा जा रहा है कि इस बार लखनऊ लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी अपने पुराने नेता रविदास मेहरोत्रा को लड़ा सकती है। वे लखनऊमध्य सीट से विधायक हैं।

समाजवादी पार्टी की सरकार में 2012-17 तक वे मंत्री भी रहे थे। जानकार सूत्रों के मुताबिक समाजवादी पार्टी के अलावा सहयोगी पार्टियों के नेताओं के नाम भी कुछ सीटों पर तय कर दिए गए हैं। पुराने जाट नेता हरेंद्र मलिक को मुजफ्फरनगर सीट से टिकट देने की घोषणा हो सकती है। राष्ट्रीय लोकदल की पारंपरिक सीट बागपत से जयंत चौधरी की पत्नी चारू चौधरी के नाम की घोषणा हो सकती है। बताया जा रहा है कि विपक्षी गठबंधन के नेता इस बार वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कृष्णा पटेल या उनकी बेटी पल्लवी पटेल को चुनाव लड़ाने पर विचार कर रहा है। पल्लवी पटेल ने पिछले विधानसभा चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य को हराया था। पल्लवी की बहन और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल उस सीट पर प्रचार के लिए नहीं गई थीं। सपा, रालोद और अपना दल के संस्थापक नेताओं के परिवारों की पारंपरिक सीटों के अलावा प्रतापगढ़, अयोध्या, बस्ती और मोहनलालगंज के उम्मीदवारों की घोषणा हो सकती है। अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस को तय करना है कि वहां से कौन लड़ेगा। कुल मिला कर एक दर्जन उम्मीदवारों की घोषणा बहुत जल्दी हो सकती है।

दो, तीन या फिर चार... एक साथ ज्यादा से ज्यादा कितने केले खा सकते हैं? एक्सपर्ट से जानिए जवाब

पाचन संबंधी समस्याओं के लिए केला खाना अच्छा माना जाता है. ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि केले में हाई पोषण होता है. साथ ही साथ इसमें फाइब, विटामिन बी6 और पोटेशियम की मात्रा सबसे अधिक होती है. हेल्थ एक्सपर्ट से लेकर रिसर्च कहते हैं कि केला हाई काबीहाइड्रेट और एनर्जी से भरपूर होता है.

केला आप नाश्ते के रूप में भी ले सकते हैं

एक्सरसाइज करने से पहले या नाश्ते में केला खाना एक बेस्ट ऑप्शन है. लेकिन आप रोजाना कितने केले खा रहे हैं यह सबसे महत्वपूर्ण है. केले में पोटेशियम, फाइबर, विटामिन बी 6, सी, एंटीऑक्सिडेंट और कैरोटीनॉयड और फ्लेवोनोइड जैसे फाइटोकेमिकल्स से युक्त पोषक तत्व होते हैं जो एक पावरहाउस की तरह काम करता हैं.**दिल की बीमारी के जोखिम को करता है कम**

केला पाचन को अच्छा करने के साथ-साथ दिल की बीमारी के जोखिम को भी दूर रखता है. इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम होता है. केला से बीपी भी कंट्रोल में रहता है और यह हाई बीमी के जोखिम को कम करने में मदद करता है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक पोटेशियम से दिल की बीमारी का जोखिम 27 प्रतिशत तक कम हो सकता है. एक रिपोर्ट के मुताबिक केला में फाइबर होता है जो वजन घटाने में मदद कर सकता है. क्योंकि यह लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस करने में मदद करता है.

माइग्रेन केले, खासकर अगर ठीक से न छीले जाएं, तो उनमें

टायरामाइन नामक पदार्थ होता है, जो माइग्रेन को तुरंत ट्रिगर करता है. रिपोर्ट के अनुसार, टायरामाइन को इसके निर्माण के तरीके के कारण मोनोमाइन कहा जाता है.

सावधान! फ्रिज में भी छिपे हो सकते हैं डेंगू के मच्छर, 6 महीने तक रह सकते हैं जिंदा

देश के कई राज्यों में डेंगू के केस तेजी से बढ़ रहे हैं. इसकी वजह से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है. बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उम्र के लोग डेंगू की चपेट में आ रहे हैं. इस बुखार से संक्रमित होने वाले मरीजों की संख्या अस्पताल में तेजी से बढ़ रही है. कई मामलों में शरीर का प्लेटलेट्स का लेवल काफी नीचे आ जाता है.

लगातार होती बारिश से डेंगू का खतरा बढ़ रहा है. घर में भी कई वजह से डेंगू के मच्छर पनप सकते हैं. इसमें से एक फ्रिज का ट्रे भी है. ऐसे में सावधाना रहना चाहिए. जानें क्या होता है डेंगू, किस मच्छर से फैलता है, इसके मच्छर कहां पनपते हैं, इसके लक्षण क्या होते हैं और इससे बचाव कैसे हो सकता है...

डेंगू क्या होता है और इसके लक्षण डेंगू एडीज मच्छर के काटने से फैलता है. बारिश के दिनों में जब धूप निकलती है और तापमान काफी बढ़ जाता है तो डेंगू के मच्छर एक्टिव हो जाते हैं. इस मच्छर के काटने के बाद तेज बुखार, मांसपेशियों में दर्द, शरीर पर दाने और उल्टी-दस्त की समस्या हो सकती है. ज्यादातर मामलों में बुखार खुद ही ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ मरीजों में इसके गंभीर लक्षण देखने को मिलते हैं. उनका प्लेटलेट्स काफी नीचे गिर जाता है और यह खतरनाक हो सकता है.

फ्रिज की ट्रे में हो सकता है डेंगू हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, डेंगू का मच्छर साफ पानी में ही पनपता है. डेंगू के मच्छर को ब्रीडिंग के लिए थोड़ा सा भी पानी काफी होता है. यही कारण है कि घर में रखे फ्रिज की ट्रे में भी यह पनप जाता है. कई बार फ्रिज की ट्रे में डेंगू का लार्वा मिल जाता है. हम सभी इन बातों से अनजान होते हैं और डेंगू की चपेट में आ जाते हैं. इसलिए समय-समय पर फ्रिज की ट्रे के पानी को साफ करते रहना चाहिए. हफ्ते में कम से कम दो बार ट्रे को साफ करना ठीक माना जाता है. कूलर और घर की छत पर रखे गमलों की साफ-सफाई भी नियमित तौर पर करनी चाहिए.

इजरायली वायु सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर किया हमला

जेरूसलम ,एजेंसी । इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने मंगलवार को कहा कि उसने पड़ोसी देश द्वारा इजरायल की ओर से की गई गोलीबारी के जवाब में लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया।

वायु सेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इजरायली वायुसेना ने कल (सोमवार) इजरायल की ओर की गई गोलीबारी के जवाब में लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन के आतंकी ठिकानों और सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमला किया। उसने हमले का एक वीडियो भी पोस्ट किया।

यह घटनाक्रम इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है कि वह लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर रहा है। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से, ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और इजरायली बलों के बीच सीमा पार से गोलीबारी हुई है।

हिजबुल्लाह, जो लेबनान में काफी शक्ति रखता है, को अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों द्वारा एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया गया है। उनके पास हमास की तुलना में अधिक परिष्कृत शस्त्रागार माना जाता है और वे इज़राइल के अंदर भी लक्ष्य को भेदने में सक्षम हैं। सोमवार को संसद को संबोधित करते हुए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान और हिजबुल्लाह को संघर्ष से अलग रहने की चेतावनी दी थी।

लगभग एक हजार अमेरिकियों ने इजराइल छोड़ा

वाशिंगटन ,एजेंसी । अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा है कि लगभग एक हजार अमेरिकी नागरिकों और उनके परिवार के सदस्यों ने इज़राइल छोड़ दिया है।

प्रवक्ता ने कहा कि 13 अक्टूबर से, सरकार ने अमेरिकी नागरिकों और उनके परिवार के सदस्यों को हवाई और समुद्र रास्ते से स्वदेश लौटने की पेश-काश की थी। प्रवक्ता ने कहा कि नागरिकों को ले जाने कें लिए उड़ानें कम से कम गुरुवार तक इज़राइल के बेन गुरियन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जारी रहने की उम्मीद है।

प्रवक्ता ने बताया,हम वास्तविक समय के आधार पर इज़राइल से प्रस्थान में सहायता के लिए अमेरिकी नागरिकों की मांग की निगरानी करना जारी रखेंगे। हम उन अमेरिकी नागरिकों से आग्रह करते हैं जो वापस स्वदेश लौटने के इच्छुक हैं।

प्रवक्ता के अनुसार, 3,000 से अधिक अतिरिक्त अमेरिकी नागरिकों ने कहा है कि वे व्यावसायिक हवाई मार्ग, भूमि सीमा या अन्य माध्यमों से इज़राइल और वेस्ट बैंक से चले गए। इस बीच, गाजा में अमेरिकियों ने बताया कि उन्हें राफा क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र में प्रवेश करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

दिल्ली में रामलीला के दौरान ढांचा गिरने से चार घायल

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली में एक रामलीला कार्यक्रम के दौरान एक पार्क में ढांचा गिरने से 11 वर्षीय बच्चे सहित कम से कम चार लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह ढांचा रोशनी के लिए बनाया गया था।

पुलिस के मुताबिक सोमवार रात 10.40 बजे बारिश के दौरान, 15 अगस्त पार्क, लाल किले में नव श्री धार्मिक रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला कार्यक्रम में रोशनी रखने वाली एक संरचना ढह गई। इस हादसे में 11 साल के एक बच्चे को चोटें आईं और उसे मैदान पर खड़ी एम्बुलेंस में अस्पताल ले जाया गया।पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मनोज कुमार मीना ने कहा, बच्चे की हालत स्थिर है ।

महाप्रबंधक ने महिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

जयन्त प्रतिनिधि

दिल्ली : रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के तत्वावधान में उत्तर रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एनआरएसए) की ओर से 17 से 21 अक्टूबर तक करनैल सिंह स्टेडियम नई दिल्ली में 46वीं अखिल भारतीय रेलवे महिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने मंगलवार को करनैल सिंह स्टेडियम नई दिल्ली में "46वीं अखिल भारतीय रेलवे महिला बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2023-24" के उद्घाटन की घोषणा की।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

इस चैंपियनशिप में कुल 12 टीमें भाग ले रही हैं। इस अवसर पर शोभन चौधुरी ने खिलाड़ियों से सच्ची खेल भावना का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बास्केटबॉल एक टीम रूप में खेलने का खेल है और इसके सभी पहलुओं में एकता और ताकत की आवश्यकता होती है। सभी खिलाड़ी एकजुट हो कर खेले भावना का प्रदर्शन करें।

कांग्रेस के वचन पत्र को सीएम शिवराज ने बताया 'महाझूठ पत्र', बोले– जनता भ्रम में आने वाली नहीं

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से आज जारी किए गए वचन पत्र को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये पार्टी का वचन पत्र नहीं, 'महाझूठ पत्र' है। शिवराज चौहान ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि कांग्रेस ने 2018 के चुनाव के पहले भी 900 से ज्यादा वचन दिए थे, जिसमें से नौ भी पूरे नहीं किए। आज तक लोग तरस रहे हैं। नौजवानों को चार हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता कब मिलेगा।

बांग्लादेश, पाकिस्तान व रूस का गाजा प्रस्ताव सुरक्षा परिषद में विफल

संयुक्त राष्ट्र ,एजेंसी । बांग्लादेश, पाकिस्तान, रूस और कई अरब देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पेश प्रस्ताव विफल हो गया है। इसमें इजरायल और गाजा में युद्धविराम का आह्वान किया गया था, लेकिन इसमें हमास का कोई उल्लेख नहीं किया गया था। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा एक बंद बैठक में आम सहमति बनाने के आखिरी मिनट के प्रयास के बावजूद परिषद के सदस्य एक आम दृष्टिकोण पर सहमत नहीं हो सके, इसके बाद सोमवार रात को प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। प्रस्ताव में हमास को इजरायल पर हमले के अपराधी के रूप में नामित नहीं किया गया था। परिषद के स्थाई सदस्य अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। जापान ने भी प्रस्ताव के ख़िलाफ़ मतदान किया।केवल रूस, चीन, मोज़ाम्बिक, गैबॉन और यूएई ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि छह देश अनुपस्थित रहे। गाजा में मानवीय संकट बढ़ रहा है, इजरायली बमबारी में 2,700 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को मिस्र की यात्रा की योजना की घोषणा की। इजराइल ने जमीनी हमले की आशंका में गाजा के उत्तरी हिस्से के लगभग 10 लाख लोगों को दक्षिण की ओर जाने के लिए भी कहा है।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में बेटे की हत्यारन, सहेली भी सलाखों के पीछे

मोदीनगर, एजेंसी। मासूम की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के मामले में सौतेली मां व उसकी सहेली को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा। मामला मोदीनगर थाना क्षेत्र का है।गोविंदपुरी मोदीनगर निवासी राहुल सैन ने दिनांक 15 अक्टूबर 2023 को अपने 11 वर्षी बेटे शब्द उर्फ शब्बी की गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करते हुए बताया कि उसका बेटा शाम 5:00 से लापता है, काफी तलाशने के बाद भी नहीं मिल रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर बच्चों की तलाश शुरू की। मगर आसपास से कुछ भी पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस ने दिनांक 16 अक्टूबर 2023 को आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया, जिसमें शब्द अपने ही घर के अंदर लगभग 3:40 आता दिखाई दिया।

इसके बाद पुलिस ने बच्चों की सौतेली मां रेखा से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पता चला रेखा ने अपने सौतेले बेटे शब्द की अपनी सहेली पूनम के साथ मिल चुन्नी से गला घोट कर हत्या कर दी। बाद में बच्चों के शव को घर के अंदर बने गटर में हाथ पैर बांधकर डाल दिया। और गटर के ऊपर एक लकड़ी का पट्टा रख दिया। सौतेली मां व सौतेले बेटे के संबंध अच्छे ना होने के कारण पूनम ने इस घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने हत्या कर साक्ष्य छुपाने की धाराओं में पूनम व रेखा को नामजद कर गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार दिनांक 17 अक्टूबर 2023 पुलिस ने रेखा व पूनम को सीजेएम कोर्ट न्यायाधीश विभांशु सुधीर की अदालत में पेश किया। अदालत ने मामले में सुनवाई के बाद रेखा व पूनम को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मामले में अगली सुनवाई के लिए दो नवंबर 2023 की तारीख नियत कर दी।

केंद्रीय कर्मियों को दीपावली पर एडहॉक बोनस देने का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने केंद्र सरकार के कर्मियों को दीपावली के मौके पर नॉन–प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (एडहॉक बोनस) देने की घोषणा की है। इसके तहत सभी पात्र कर्मियों को 30 दिन के वेतन जितनी राशि मिलेगी। केंद्र सरकार के ग्रुप बी और ग्रुप सी के अंतर्गत आने वाले वे अराजपत्रित कर्मचारी, जो किसी प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस स्कीम के तहत नहीं आते हैं, उन्हें भी यह बोनस दिया जाएगा। एडहॉक बोनस का फायदा केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के सभी योग्य कर्मियों को भी मिलेगा।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, एडहॉक बोनस के तहत जो रकम दी जाती है, उसका निर्धारण करने के लिए एक नियम बनाया गया है। कर्मियों का औसत वेतन, गणना की उच्चतम सीमा के अनुसार, जो भी कम हो, उसके आधार पर बोनस जोड़ा जाता है। यदि किसी कर्मी को सात हजार रुपये मिल रहे हैं, तो उसका 30 दिनों का मासिक बोनस लगभग 6907 रुपये रहेगा। इस तरह के बोनस का फायदा, केंद्र सरकार के उन कर्मचारियों को ही मिलेगा, जो 31 मार्च 2023 को सेवा में रहे हैं। उन्होंने साल 2022–23 के दौरान कम से कम छह महीने तक लगातार ड्यूटी दी है। वित्त मंत्रालय के आदेश में कहा गया है, जो कर्मचारी अस्थायी तौर से एडहॉक बेस पर नियुक्त हुए हैं, उन्हें भी ये बोनस मिलेगा, बशर्ते उनकी सेवा के बीच कोई ब्रेक न रहा हो।

ऐसे कर्मचारी जो, 31 मार्च 2023 को या उससे पहले सेवा से बाहर हो गए, उन्होंने त्यागपत्र दे दिया हो या सेवानिवृत हुए हों, उसे स्पेशल केस माना जाएगा। इसके तहत वे कर्मी, जो अमान्य तरीके से मेडिकल आधार पर 31 मार्च से पहले रिटायर हो गए या दिवंगत हो गए हैं, लेकिन उन्होंने वित्तीय वर्ष में छह माह तक नियमित ड्यूटी की है तो उसे एडहॉक बोनस के योग्य माना जाएगा। इसके लिए संबंधित कर्मचारी की नियमित सेवा की निकटवर्ती संख्या को आधार बनाकर 'प्रो राटा बेसिस' पर बोनस तय होगा।

वे कर्मचारी, जो प्रतिनियुक्ति, विदेश सेवा, केंद्र शासित प्रदेश या किसी पीएसयू में 31 मार्च 2023 को कार्यरत हैं तो उन्हें लेंडिंग डिपार्टमेंट यानी उधार देने वाला विभाग, यह बोनस नहीं देगा। ऐसे केस में उधार लेने वाले संगठन की जिम्मेदारी बनती है कि वह एडहॉक बोनस, पीएलबी, एक्सग्रेसिया और इंसेंटिव स्कीम आदि प्रदान करे, बशर्ते वहां ऐसे प्रावधान चलन में हों। यदि कोई कर्मचारी 'सी' या इससे ऊपर के ग्रेड में है और उसे वित्तीय वर्ष के दौरान बीच में ही विदेश सेवा से वापस बुला लिया जाता है, तो इस बाबत एडहॉक बोनस का नियम बनाया गया है। इसके तहत वित्तीय वर्ष में विदेशी विभाग से यदि उस कर्मी के मूल विभाग को बोनस और एक्सग्रेसिया राशि मिली है, तो संबंधित कर्मी को वह राशि दे दी जाएगी। रिवर्ट होने के बाद भी यदि कर्मी का केंद्र सरकार की तरफ बोनस बकाया है ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार उसके एडहॉक बोनस पर प्रतिबंध लगा सकती है।

राज्य सरकार, संघ क्षेत्र और पीएसयू से कोई कर्मचारी यदि रिवर्स डेपुटेशन पर केंद्र सरकार में आता है तो उन्हें एडहॉक बोनस दिया जाएगा। ऐसे कर्मी, जो सरकारी सेवा से रिटायर होने के बाद दोबारा से जॉब में आए हैं, उन्हें नए कर्मचारी मानकर बोनस का निर्धारण होगा। ऐसे कर्मचारी, जो वित्तीय वर्ष के दौरान अर्ध वेतन अवकाश पर हैं, ईओएल पर हैं या शैक्षणिक अवकाश लिए हुए हैं, इन्होंने यदि उक्त अवधि के अलावा नियमों से परे कोई अवकाश लिया है तो वह अवधि गिनी नहीं जाएगी। हालांकि एडहॉक बोनस के लिए वह पीरियड ब्रेक इन सर्विस, नहीं माना जाएगा। अनुबंध वाले कर्मचारी, जो दूसरे भत्ते जैसे महंगाई भत्ता व अंतरिम राहत आदि के लिए योग्य है, तो उसे एडहॉक बोनस भी मिलेगा। यदि कोई कर्मचारी उक्त भत्तों की श्रेणी में नहीं आता है तो उसे केजुअल लेबर के हिसाब से बोनस दिया जाएगा।

यदि कोई कर्मचारी, वित्तीय वर्ष में सस्पेंड रहा है तो उसके लिए बोनस के अलग नियम बनाए गए हैं। ऐसे कर्मी, जब सेवा में दोबारा आते हैं और उन्हें पहले वाले सभी लाभ मिलते हैं तो उस स्थिति में उन्हें एडहॉक बोनस के योग्य माना जाएगा। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में ट्रांसफर होने वाले कर्मी एडहॉक बोनस के योग्य माने जाएंगे, यदि उनकी सेवा में कोई ब्रेक नहीं है। ऐसे मामले में दोनों विभागों के सर्विस पीरियड को जोड़ा जाएगा। ऐसे कर्मी जो प्रतियोगी परीक्षा पास कर एक विभाग से दूसरे विभाग में चले गए हैं, वे भी एडहॉक बोनस के योग्य होंगे। हालांकि ऐसे मामलों में जो बोनस की राशि दी जाएगी, वह उस विभाग द्वारा जारी होगी, जहां वह कर्मचारी 31 मार्च 2023 को कार्यरत रहा है। वे कर्मचारी, जिन्हें सरकारी विभाग से ट्रांसफर किया गया है, क्या वे एडहॉक बोनस के योग्य होंगे, इस बाबत कहा गया है कि उनका बोनस वह विभाग काउंट करेगा, जहां पर वे 31 मार्च को सेवा में थे।

सामान्य तय वेतन पर काम करने वाले पार्ट टाइम कर्मियों को यह बोनस नहीं मिलेगा। वे कर्मचारी जो पिछले तीन साल से अलग अलग विभागों में काम कर रहे थे और 31 मार्च 2023 को भी वे किसी विभाग में थे, इनके लिए भी एक नियम बनाया गया है। इनकी योग्यता तीन साल के कार्यकाल से तय होगी। एक साल में 240 दिन के दौरान वे एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में चले गए हों और उन्हें एक्सग्रेसिया या दूसरे भत्ते नहीं मिलें हों तो उन्हें यह बोनस मिलेगा। यदि कोई केजुअल लेबर है और उसे वित्तीय वर्ष में नियमित किया गया है, लेकिन वह 31 मार्च 2023 को छह माह की नियमित सेवा वाली योग्यता पूरी नहीं करता है, तो उसे एडहॉक बोनस का फायदा नहीं मिलेगा। उसे नियमित कर्मी की भांति इस बोनस का लाभ नहीं दिया जा सकता।

बिहार के दरभंगा में जहरीली शराब पीने तीन लोगों की मौत

पटना ,(एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले के हायाघाट थाना क्षेत्र के मकसूदपुर गांव में जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत हो गई और अन्य तीन लोग गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उनके रिश्तेदारों ने यह जानकारी दी। मरने वालों में से एक की बेटी ने कहा कि उसके पिता ने रविवार को दोपहर 1 बजे शराब पी थी, जो जहरीली थी। सोमवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया।मृतकों में से दो की पहचान भुखला सहनी और संतोष दास के रूप में की गई। एक पीड़ित के परिजन ने कहा, हम अपने पिता को दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले गए हैं, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से बीमार मरीज़ समस्तीपुर के जिला अस्पताल में भर्ती हैं।

2040 तक चांद पर पहला मानव मिशन भेजेगा भारत: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा की, जिसमें आने वाले समय में अंतरिक्ष में खोज के भारत के प्रयासों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, भारत 2035 तक अंतरिक्ष में अपना स्टेशन (केन्द्र) स्थापित करेगा और 2040 तक चंद्रमा पर मानव को पहुंचाएगा। भारत इस समय मंगल और शुक्र ग्रहों के अध्ययन के अभियान में भी लगा हुआ है। आज की समीक्षा बैठक में अंतरिक्ष विभाग ने प्रधानमंत्री के समक्ष गगनयान मिशन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

विभाग ने इस दिशा में अब तक विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों के विकास में हुयी प्रगति की जानकारी दी। मनुष्य को अंतरिक्ष में ले जाने वाले में प्रयोग किए जा सकने वाले प्रक्षेपण वाहनों की प्रौद्योगिकी और उपयुक्त प्रणालियों के विकास में प्रगति शामिल है। बैठक में बताया गया कि अंतरिक्ष में मानव भेजने के तैयारियों के सिलसिले में बड़े परीक्षण किए जाएंगे, जिनमें तीन परीक्षण मनुष्यों की अंतरिक्ष यात्रा के लिए उपयुक्त प्रक्षेपणयान (एचएलवीएम3) के प्रक्षेपण की योजना है। एचएलवीएम3 के तीन अभियान मानवरहित होंगे।

विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अंतरिक्ष अभियान के क्षेत्र में भारत की अब तक की सफलताओं की नींव पर अब देश को नए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए, उन्होंने इसी सन्दर्भ में 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चांद पर भारत का पहला मानव मिशन भेजने का लक्ष्य रखा। उल्लेखनीय है कि भारत ने चंद्रयान तीन मिशन और आदित्य एल वन मिशन के साथ अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में लम्बी छलांग लगाई है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रधानमंत्री के इस सपने को पूरा करने के लिए अंतरिक्ष विभाग चन्द्रमा पर खोज कार्यों के लिए वृहद् योजना तैयार करेगा, इसके तहत कई चंद्रयान मिशन शुरू किये जाएंगे, एक नयी पीढ़ी का प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) विकसित किया जरएगा, एक नया प्रक्षेपण मंच का निर्माण किया जाएगा और मानव केंद्रित प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी तथा उनसे जुड़ी प्रौद्योगिकी का विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को शुक्रकी परिक्रमा करने वाले उपग्रह और मंगल पर उतरने वाले यंत्र 'मार्स लैंडर' की तैयारी करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं पर विश्वास जताया और कहा कि भारत इस दिशा में नयी उंचाइयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली हाईकोर्ट को बताया : इंजन लीज फाइनेंस और स्पाइसजेट अंतरिम समझौते पर पहुंचे

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि इंजन लीज फाइनेंस कॉरपोरेशन एविएशन सर्विसेज लिमिटेड और नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट एयरलाइन एक अंतरिम समझौते पर पहुंच गई है। सुनवाई के दौरान, दोनों पक्षों के कानूनी प्रतिनिधियों ने अदालत को सूचित किया कि निपटान की शर्तों पर सहमति हो गई है और परिणामस्वरूप, दोनों कानूनी टीमों ने स्थगन का अनुरोध किया। अदालत ने 8 फरवरी, 2024 को मामले की सुनवाई तय करते हुए स्थगन मंजूर कर लिया। समझौते के तहत स्पाइसजेट को जनवरी तक इंजन लीज फाइनेंस बीवी को 2 मिलियन डॉलर से अधिक का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, स्पाइसजेट ने विवादित इंजन को 25 जनवरी तक वापस करने की प्रतिबद्धता जताई है।यदि स्पाइसजेट इन दायित्वों को पूरा करने में विफल रहता है तो इंजन लीज फाइनेंस बीवी के पास समाप्ति को बनाए रखने और कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार बरकरार है। 27 सितंबर को इंजन लीज बीवी ने बचे हुए एकमात्र इंजन को वापस करने की मांग करते हुए मामले को दिल्ली उच्च न्यायालय में ले जाया था। पट्टादाता ने शुरू में कम लागत वाले वाहक को नौ इंजन पट्टे पर दिए थे, और पट्टा समझौते की शर्तों के अनुसार, समझौता समाप्त होने पर आठ इंजन वापस कर दिए गए थे।पिछली सुनवाई के दौरान इंजन लीज का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील राजशेखर राव और वकील आनंद वेंकटरमणी ने अदालत से स्पाइसजेट को इंजन का उपयोग करने से रोकने का अनुरोध किया था।

22 दिन में 35 लाख शादियां और 4.25 लाख करोड़ के कारोबार की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। अकेले दिल्ली में ही इस सीजन में 3.5 लाख से अधिक शादियां होने की उम्मीद है। इससे दिल्ली में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। पिछले साल इसी अवधि के दौरान देश में करीब 32 लाख शादियां हुईं थी। उसका खर्च 3.75 लाख करोड़ रुपये आंका गया था।

दिल्ली सहित देश भर के व्यापारी इस बार काफी खुश नजर आ रहे हैं। वजह महज 22 दिन में 35 लाख शादियां होने की संभावना है। इसके चलते 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। शादियों का सीजन, देव उठान एकादशी से लेकर 15 दिसंबर तक चलेगा। दिवाली के तुरंत बाद शुरु हो रहे, शादियों के इस सीजन में इस बार व्यापारी बड़े कारोबार की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

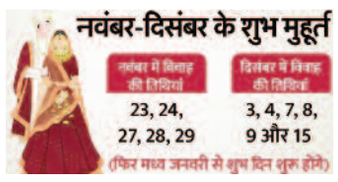

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल के अनुसार, कैट की रिसर्च शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा हाल ही देश के 20 प्रमुख शहरों के व्यापारियों एवं सर्विस प्रोवाइडर के बीच किए गए एक सर्वे में उक्त तथ्य सामने आए हैं। अकेले दिल्ली में ही इस सीजन में 3.5 लाख से अधिक शादियां होने की उम्मीद है। इससे दिल्ली में लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। पिछले साल इसी अवधि के दौरान देश में करीब 32 लाख शादियां हुईं थी। उसका खर्च 3.75 लाख करोड़ रुपये आंका गया था।

कैट की आध्यात्मिक एवं वैदिक ज्ञान समिति के अध्यक्ष एवं प्रख्यात वैदिक विद्वान आचार्य दुर्गेश तारे ने बताया कि नक्षत्रों की गणना के अनुसार नवंबर में विवाह की तिथियां 23,24,27,28,29 हैं, जबकि दिसंबर माह में विवाह के लिए 3, 4, 7, 8, 9 और 15 तारीखें शुभ बताई गई हैं। उसके बाद, तारा एक महीने के लिए मध्य जनवरी तक डूब जाता है, फिर मध्य जनवरी से शुभ दिन शुरू हो जाएंगे।

भरतिया एवं खंडेलवाल ने बताया, इस शादी सीजन में करीब 6 लाख शादियों में प्रति शादी 3 लाख रुपये का अनुमानित खर्च आएगा। करीब 10 लाख शादियों में प्रति शादी करीब 6 लाख से 12 लाख रुपये का खर्च आएगा। शादियों में प्रति शादी लगभग 10 लाख रुपये खर्च होंगे। 6 लाख शादियों में प्रति शादी, 25 लाख रुपये खर्च होंगे। 50 हजार शादियों में प्रति शादी, 50 लाख रुपये खर्च होंगे। 50 हजार शादियां ऐसी होंगी, जिनमें 1 करोड़ या उससे अधिक के पैसे खर्च होंगे। कुल मिलाकर एक महीने में शादी के सीजन में बाजारों में शादी की खरीदारी से करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह होगा।

शादी के सीजन का अगला चरण जनवरी के मध्य से शुरू होगा और जुलाई तक जारी रहेगा। शादी के सीजन में कारोबार की अच्छी संभावनाओं को देखते हुए देशभर के व्यापारियों ने व्यापक तैयारियां की हैं। ग्राहकों की संभावित भीड़ के मद्देनजर, व्यापारी अपने यहां सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रख रहे हैं।

प्रत्येक विवाह का लगभग 20 प्रतिशत खर्च दूल्हा–दुल्हन पक्ष को जाता है। करीब 80 प्रतिशत खर्च विवाह संपन्न कराने में काम करने वाली अन्य तीसरी एजेंसियों को जाता है। भरतिया और खंडेलवाल ने बताया, शादी के सीजन से पहले घरों की मरम्मत और घरों की रंगाई–पुताई का कारोबार बड़ी मात्रा में होता है।

इसके अलावा आभूषण, साड़ी, लहंगा–चूनी, फर्नीचर व रेडीमेड कपड़े आदि का कारोबार होता है। जूते, शादी के ग्रीटिंग कार्ड ,सूखे मेवे, मिठाइयां, फल, पूजा सामग्री, किराना, खाद्यान्न, सजावट का सामान, घर की सजावट का सामान, विद्युत उपयोगिता, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई उपहार आइटम आदि की आमतौर पर मांग रहती है। इस साल इन सेक्टर के अलावा अन्य व्यापार में भी अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है।

निश्चित ही रोहित भारत को दिला सकते हैं तीसरा विश्व कप: पोंटिंग

दुबई, आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि 'निश्चिंत' कप्तान रोहित शर्मा भारत को उसकी धरती पर दूसरा विश्व कप दिला सकते हैं ।

लगातार तीन शानदार जीत के साथ भारत ने अपने विश्व कप अभियान का बेहतरीन आगाज किया है ।

पहले मैच में आस्ट्रेलिया को छह विकेट से हराने के बाद भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से और पाकिस्तान को सात विकेट से हराया ।

पोंटिंग ने कहा , वह बिल्कुल बेपरवाह है, चिंतारहित । वह विचलित नहीं होता । उसके खेल में भी यह दिखता है । वह शानदार बल्लेबाज है और मैदान के भीतर तथा बाहर भी निश्चिंत सा दिखता है । रोहित दिसंबर 2021 में विराट कोहली की जगह भारत के कप्तान बने थे ।

पोंटिंग का मानना है कि रोहित की कप्तानी में विराट अपनी बल्लेबाजी पर फोकस कर सकता है ।उन्होंने कहा , विराट काफी जज्बाती खिलाड़ी है । वह प्रशंसकों की सुनता है और उन्हें जवाब भी देता है । उसके जैसे व्यक्ति के लिये यह काम थोड़ा कठिन होता ।

पोंटिंग ने कहा, रोहित को कठिनाई नहीं होगी । वह शानदार खिलाड़ी है और कप्तानी भी बहुत अच्छे से कर रहा है ।भारत ने पिछली बार 2011 में श्रीलंका को फाइनल में हराकर अपनी धरती पर ही विश्व कप जीता था ।अपने देश में खेलने पर अच्छे प्रदर्शन का दबाव होता है लेकिन पोंटिंग ने कहा कि रोहित इससे निपटने में सक्षम है ।उन्होंने कहा ,यह नहीं कह सकते कि भारत पर अपेक्षाओं का दबाव नहीं होगा । जरूर होगा लेकिन रोहित इससे निपट सकता है । भारत के पास बहुत प्रतिभाशाली टीम है । उनकी तेज गेंदबाजी, स्पिन, शीर्षक्रम, मध्यक्रम सब कुछ उम्दा है । उन्हें हराना बहुत कठिन होगा ।

इकॉनामी रेट को लेकर चिंतित नहीं हैं जाम्पा, अधिक विकेट लेना लक्ष्य

लखनऊ । पहले दो विश्व कप मैचों में खराब प्रदर्शन के लिये आलोचना झेलने वाले आस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर एडम जाम्पा ने कहा कि महंगे साबित होने से वह चिंतित नहीं हैं और उनका लक्ष्य अधिक विकेट लेना है ।

भारत और दक्षिण अफ्रीका से लगातार दो मैच हारने के बाद आस्ट्रेलिया ने सोमवार को श्रीलंका को हराकर पहली जीत दर्ज की ।

विश्व कप 2019 में काफी सफल रहे जाम्पा ने जीत के बाद कहा , मैं आत्ममंथन में माहिर हूं । पहले दो मैचों में अपना प्रदर्शन देखने के बाद पिछले मैच को देखकर मैं यह कह सकता हूं कि मैने जीत की राह आसान की ।

उन्होंने कहा , भारत के खिलाफ मैच में हमें 200 से कम का स्कोर बचाना था और मुझ पर विकेट लेने की जिम्मेदारी थी । मैने इकॉनॉमी रेट की परवाह नहीं की ।

उन्होंने भारत के खिलाफ 53 रन दिये और उन्हें विकेट नहीं मिला जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 70 रन देकर एक विकेट लिये ।उन्होंने कहा, मैं आंकड़ों की परवाह नहीं करता । मेरा लक्ष्य जीत में योगदान देना है ।

एशियाई पैरा खेलों के लिए 303 एथलीट, कोच समेत 143 सपोर्टिंग स्टाफ को मंजूरी

नयी दिल्ली, भारत हांगझोउ में 22 से 28 अक्टूबर तक होने वाले चौथे एशियाई पैरा खेलों में 446 सदस्यीय दल भेजेगा जिनमें 303 खिलाड़ी हैं ।

खेल मंत्रालय ने 17 खेलों में 303 खिलाड़ियों (191 पुरूष और 112 महिला) को मंजूरी दी । इनके अलावा 143 कोच, अधिकारी और सहयोगी स्टाफ भी जायेंगे ।इनमें से 123 खिलाड़ी एथलेटिक्स के ही हैं । यह एशियाई पैरा खेलों में भारत का सबसे बड़ा दल है । पिछली बार जकार्ता में 190 खिलाड़ियों ने 13 खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करके 15 स्वर्ण समेत 72 पदक जीते थे ।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल ने यूरो 2024 क्वालीफायर में बोस्निया और हर्जेगोविना को हराया

ज़ेनिका (बोस्निया), पुर्तगाल ने 100 रिकॉर्ड के साथ यूरोपीय क्वालीफायर में केवल दो टीमों में से एक के रूप में अपना दर्जा बरकरार रखा और ग्रुप जे में बोस्निया और हर्जेगोविना (बीआईएच) पर यूईएफए यूरो 2024 क्वालीफायर मुकाबले में 5–0 की व्यापक जीत हासिल की।।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के पेनल्टी ने उन्हें केवल पांच मिनट के बाद सामने ला दिया और जल्द ही उन्होंनेब्रूनो फर्नांडिस और जोआओ कैंसलो की मदद से अपना दूसरा गोल भी कर दिया।

जोआओ फेलिक्स ने ब्रेक से पहले पांचवां गोल जोड़ा। पुर्तगाल ने यूरोपीय क्वालीफायर में आठ में से आठ जीते हैं, 32 स्कोर किए हैं और केवल दो बार गोल खाए हैं।ज़ेनिका में रोनाल्डो का डबल उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 23वां था। उन्होंने दस हैट्रिक बनाई हैं, जिनमें दो चार–गोल भी शामिल हैं। उनके 127 में से बाकी 49 गोल सिंगल फाइल में आए हैं।

दूसरी ओर, ऑस्ट्रिया लगातार तीसरे यूरो में पहुंच गया है और यूईएफए यूरो 2024 के लिए अर्हता प्राप्त करने वाली सातवीं टीम बन गई है क्योंकि उन्होंने सोमवार को बाकू में 1–0 की मामूली जीत दर्ज की ।

दूसरे हाफ की शुरुआत में मार्सेल सबित्ज़र की पेनल्टी ने बाकू में प्रतिस्पर्धी मुकाबले में अंतर साबित कर दिया। बायर्न मिडफील्डर ने मैदान में उतारे जाने के बाद कुछ ही क्षणों बाद गोल किया और, हालांकि मेजबान टीम ने शाम के अधिकांश समय में मेहमान टीम के साथ मुकाबला किया और देर से पोस्ट पर शॉट मारा लेकिन राल्फ़ रंगनिक की टीम टिकी रही।

ऑस्ट्रिया ने मैच दस खिलाड़ियों के साथ समाप्त किया क्योंकि गुइडो बर्गस्टालर को अतिरिक्त समय में दूसरा पीला कार्ड मिला।

अब तक, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, बेल्जियम, पुर्तगाल, स्पेन, स्कॉटलैंड और तुर्किये सभी ने यूईएफए यूरो 2024 में अपनी जगह बुक कर ली है।

फिल्मी दुनियां

प्रधानमंत्री मोदी का लिखा गाना गरबो हुआ रिलीज, ध्वनि भानुशाली ने दी आवाज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब एक गीतकार भी बन गए हैं। नवरात्रि से एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री द्वारा लिखा गया गरबा गीत गरबो रिलीज हो गया है। गुजरात की संस्कृति को दिखाते इस गाने को गायिका ध्वनि भानुशाली ने अपनी आवाज दी है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। यह गाना रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और अभिनेत्री कंगना रनौत आदि इसकी प्रशंसा कर रहे हैं।

ध्वनि ने एक्स (पहले ट्विटर) पर ट्वीट कर गाने के बारे में जानकारी दी और प्रधानमंत्री का आभार जताया।उन्होंने लिखा, नरेंद्र मोदी जी, मुझे और तनिष्क को आपका लिखा हुआ गाना बहुत पसंद आया। हम एक नई धुन, रचना और स्वाद को लेकर आना चाहते थे, जिसे जीवंत बनाने में जस्ट म्यूजिक ने हमारी मदद की। मामूल हो कि जेजस्ट म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर जारी हुए इस गाने को तनिष्क ने संगीत दिया है।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने ध्वनि के ट्वीट का जवाब देते हुए तनिष्क और जेजस्ट म्यूजिक की टीम का आभार जताया। उन्होंने लिखा, इस मनमोहक प्रस्तुति के लिए शुक्रिया, जो मैंने वर्षों पहले लिखी थी। यह कई यादें वापस लाता है। मैंने कई वर्षों से कुछ नहीं लिखा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मैं एक नया गरबा लिखने में कामयाब रहा।प्रधानमंत्री ने बताया कि वह अपने इस नए गरबा गीत को नवरात्रि के दौरान सभी के साथ साझा करेंगे। इस गाने के निर्माता जैकी भगनानी ने प्रधानमंत्री के साथ अपने इस म्यूजिकल प्रोजेक्ट और गरबो के निर्माण के बारे में बात की।उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के साथ इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे और जेजस्ट म्यूजिक के लिए बेहद गर्व और खुशी का क्षण है। गरबो हमारी सांस्कृतिक विरासत और नवरात्रि के सार के लिए एक श्रद्धांजलि है।जैकी को विश्वास है कि गरबो आने वाले कई वर्षों तक नवरात्रि समारोह की शान बढ़ाएगा।

इंडो–वेस्टर्न आउटफिट में पंजाबी कुड़ी शहनाज गिल ने दिखाया ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी बोल्ड और खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस के बीच चर्चाओं का विषय बनी रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस की फिल्म थैंक्यू फॉर कमिं ग रिलीज हुई है, जिसमें शहनाज गिल की एक्टिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट इंडो–वेस्टर्न लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी सेक्सी अदाएं देखकर लोग दीवाने हो गए हैं। बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल हमेशा अपने चुलबुले अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में शहनाज गिल ने इंडो–वेस्टर्न आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी सेक्सी नजर आ रही हैं। शहनाज गिल ने अपनी इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए सिंपल शाइनिंग लुक में शॉर्ट्स और साथ ही डीपनेक टॉप पहना हुआ है। गले में नेकलेस, ग्लैम मेकअप और बालों को स्टाइलिश लुक में बांध कर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रेरक कहानी को उजागर करेगा नया टीवी शो अटल

निर्माता अटल नामक एक नया शो लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो भारत के प्रमुख नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अनकही कहानियों को बयान करता है। यह शो उनके बचपन के अनछुए पहलुओं का पता लगाने के लिए तैयार है। यह शो एक ऐसे नेता के प्रारंभिक वर्षों पर गहराई से प्रकाश डालेगा जिसने भारत की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय इतिहास में, कई प्रधानमंत्री परिवर्तनकारी नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने महान दृष्टि और संकल्प के साथ महत्वपूर्ण क्षणों में अपने देश का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल को कई महत्वपूर्ण निर्णयों द्वारा चिह्नित किया गया, जिन्होंने देश की नियति को आकार दिया और इसे वैश्विक प्रभाव में सबसे आगे रखा।रणनीतिक दृष्टि और निर्णायक कार्यों के माध्यम से, इन नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, और एक अमिट विरासत छोड़ी, जिसने अभूतपूर्व सफलता और प्रगति के युग को परिभाषित किया।

अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे प्रभावशाली राजनेता थे जिनकी विरासत का भारतीय बहुत सम्मान करते हैं। भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह शो वाजपेयी के बचपन की जटिलताओं को उजागर करेगा, उन घटनाओं, विश्वासों और चुनौतियों पर प्रकाश डालेगा जिन्होंने उन्हें एक ऐसा नेता बनाया जो वह थे।

दुरंगा 2 में अमित साध और गुलशन देवैया का शानदार परफॉर्मेंस

नए रहस्य पनप रहे हैं और सामने आ रहे हैं क्योंकि दुरंगा 2 के ट्रेलर में गुलशन देवैया और अमित साध के किरदार अपनी पहचान को फिर से पाने के लिए संघर्ष में लगे हुए हैं। इस दौरान कई नए रहस्य सामने आते हैं।

निर्देशक रोहन सिप्पी की क्राइम–थ्रिलर सीरीज दुरंगा के दूसरे सीजन के ट्रेलर को देखकर साफ है कि यह पहले वाले से भी अधिक रोमांचक है।

सीजन 2 का ट्रेलर दुरंगा एस1 की घटनाओं से शुरू होता है, जो एक कठिन मोड़ पर समाप्त हुआ, जिससे दर्शक उत्साहित हो गए और और अधिक इंतजार करने लगे क्योंकि नायक बिल्कुल वैसा नहीं है जैसा वह दिखता है। ट्रेलर में, हम अभिषेक बन्ने के जीवन में अतीत में हुई घटना को देखते हैं। सम्मित पटेल 14 साल के बाद कोमा से बाहर आता हैं। इस दौरान उसकी पहचान का इस्तेमाल उसका जीवन कोई और जी रहा है। अभिषेक बन्ने और सम्मित पटेल अब अपनी पहचान को लेकर आमने–सामने आते हैं और एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

फुकरे 3' ने बॉक्स ऑफिस पर फिर काटी चांदी, वरुण–पुलकित की फिल्म ने 16वें दिन जमकर छापे नोट

फुकरे फ्रेंचाइजी की दोनों इंस्टॉलमेंट की शानदार सफलता के बाद, जब मेकर्स ने की तीसरी इंस्टॉलमेंट की अनाउंसमेंट की थी, तो फैंस खुशी से झूम उठे थे. अब जब 'फुकरे 3' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है तो एक बार फिर स्क्रीन पर वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट,, मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी के फुकरा गैंग और भोली पंजाबन यानी ऋचा चड्ढा ने अपनी डबल पागलपंती से दर्शकों को हंसा–हंसाकर लोट–पोट कर दिया है. इसी के साथ 'फुकरे 3' ने तमाम नईं फिल्मों और शाहरुख खान की जवान की आंधी के बीच बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई भी की है. चलिए यहां जानते हैं 'फुकरे 3' ने रिलीज के 16वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?

'फुकरे 3' सिनेमाघरों में पहले दिन से ही धमाल मचा रही है. इस फिल्म ने हालिया रिलीज हुई तमाम नई फिल्मों 'द वैक्सीन वॉर',

'थैंक्यू फॉर कमिंग' और 'मिशन रानीगंज' को बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह धो डाला है. यहां तक कि ये फिल्म शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर 'जवान' से भी बराबर की टक्कर ले रही है और खूब कमाई कर रही है. वहीं नेशनल सिनेमा डे के मौके पर फिल्म की टिकट के दाम कम होने का 'फुकरे 3' को पूरा फायदा हुआ है और इसी के साथ फिल्म की कमाई में एक बार फिर बड़ा उछाल दर्ज किया गया है. अब फिल्म की रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक 'फुकरे 3' ने रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 300 फीसदी के इजाफे के साथ 5.25 करोड़ की शानदार कमाई की है.

इसी के साथ फिल्म का 16 दिनों का कुल कलेक्शन अब 86.54 करोड़ रुपये हो गया है.

'फुकरे 3' अब तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. ये फिल्म हर दिन करोड़ो कमा रही हैं. रिलीज के 16 दिनों में 'फुकरे 3' ने बॉक्स ऑफिस पर 86 करोड़ से ज्यादा बटोर लिए हैं इसी के साथ ये फिल्म 100 करोड़ी बनने से चंद कदम ही दूर रह गई है.

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com